राष्ट्रीय दैनिक

बुद्ध का संदेश

हिन्दी समाचार पत्र

लखनऊ,कानपुर,कन्नौज,बरेली,सीतापुर,सोनभद्र,गोण्डा,बाराबंकी,बलरामपुर,श्रावस्ती,बहराइच,अम्बेडकरनगर,फैजाबाद, बस्ती, संतकबीरनगर,गोरखपुर,कुशीनगर,देवरिया,महराजगंज,सिद्धार्थनगर में एक साथ प्रसारित।

मनोज बाजपेयी ने अनाम ...8

दैनिक बुद्ध का संदेश | 9795951917,9415163471 | @budhakasandesh | budhakasandeshnews@gmail.com | www.budhakasandesh.com

बुधवार, 07 दिसंबर 2022 सिद्धार्थनगर संस्करण | www.budhakasandesh.com | वर्ष: 09 अंक: 347 पृष्ठ 8 आमंत्रण मूल्य 2/–रूपया

लखनऊ सुचीबद्ध कोड– SDR-DLY-6849, डी.ए.वी.पी.कोड–133569 | सम्पादक : राजेश शर्मा | उत्तर प्रदेश सरकार एवं भारत सरकार (DAVP) से सरकारी विज्ञापनों के लिए मान्यता प्राप्त

चीन को टक्कर देने के लिए मोदी सरकार ने अरुणाचल प्रदेश में किया ये काम, जानें कैसे साबित होगा गेमचेंजर

नई दिल्ली। सरहद पर चीन की किसी भी हिमाकत से निपटने के लिए भारत बिल्कुल तैयार है।भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने की दिशा में एक और बड़ी उपलब्धि देखने को मिलेगी। अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे का निर्माण चीन को जवाब देने की दिशा में एक बड़ा कदम है। 40 हजार करोड़ की लागत से फ्रंटियर हाइवे का निर्माण किया जाएगा। विशेष रूप से पूर्वोत्तर में एलएसी के साथ बुनियादी ढांचे के विकास पर बहुत जोर दिया गया है। विचार चल रही परियोजनाओं को तेजी से ट्रैक करना और नई शुरुआत करना है। इस तरह का ध्यान केंद्रित किया गया है कि सीमा सड़क संगठन (बीआरओ) के बजट में महत्वपूर्ण तेजी देखने को मिली है।

क्या–क्या काम हो रहा है?

संसदीय दस्तावेजों से पता चलता है कि केंद्र सरकार ने ष्अरुणाचल प्रदेश सड़कों के पैकेज ष के तहत 2,319 किलोमीटर लंबी सड़कों को बनाने की मंजूरी दी है। इसमें से 1,191 किमी लंबी सड़कों के निर्माण का ठेका दिया जा चुका है। इसमें से 1,150 किमी पहले ही पूरा हो चुका है। इस वर्ष फरवरी तक, अरुणाचल प्रदेश राज्य में 14,032 करोड़ रुपये की लागत के 35 कार्य प्रगति पर हैं।अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग परियोजना है। 2018 में शुरू किया गया और अगले साल अप्रैल तक पूरा होने वाला है, सेला सुरंग को 13,000 फीट की ऊंचाई से ऊपर दुनिया की सबसे लंबी द्वि–लेन सुरंग माना जाता है। अरुणाचल प्रदेश के पश्चिम कामेंग और तवांग जिलों की ओर जाने वाली 317 किलोमीटर लंबी बालीपारा–चारद्वार–तवांग

(बीसीटी) सड़क पर नेचिपु सुरंग के साथ यह रणनीतिक परियोजना यह सुनिश्चित करेगी कि रक्षा और निजी दोनों वाहनों में साल भर आवाजाही रहेगी। 980 मीटर की एक छोटी सुरंग और लगभग 1.2 किमी सड़क के अलावा, 1,555 मीटर लंबी मुख्य और निकास सुरंग वाली इस परियोजना से यह सुनिश्चित होगा कि चीनी क्षेत्र में यातायात की निगरानी करने में सक्षम नहीं हैं। सेला दर्रा, 13,700 फीट पर, वर्तमान में चीनियों को दिखाई देता है। इनके अलावाएलएसी के साथ सभी पुलों को नए बनाए जा रहे मानक के अनुसार अपग्रेड किया जा रहा है। इसका मतलब है कि सभी पुल क्लास 70 के होंगे, जिससे वे भारी वाहनों की आवाजाही को झेल सकेंगे। इसके अलावा, सरकार विशेष 3डी–मुद्रित स्थायी सुरक्षा स्थापित करने की योजना के अलावा पूर्वोत्तर में बड़ी संख्या में भूमिगत युद्ध सामग्री डिपो का निर्माण कर रही है। पूर्वी लद्दाख के गलवान में 2020 में चीन–भारतीय संघर्ष के बाद, केंद्र सरकार ने भारत–चीन सीमा सड़क परियोजना के दूसरे चरण के हिस्से के रूप में एलएसी के साथ 32 सड़कों को मंजूरी दी थी, जिसे सितंबर 2020 में मंजूरी दी गई थी। सैन्य और नागरिकों के लिए कनेक्टिविटी में सुधारः नरेंद्र मोदी सरकार ने अरुणाचल फ्रंटियर हाईवे पर काम शुरू कर दिया है, जो देश की सबसे बड़ी और कठिन परियोजनाओं में से एक है। 2012 में सेना द्वारा परिकल्पित, यह परियोजना 2,000 किलोमीटर लंबी सड़क है जो मैकमोहन रेखा का अनुसरण करती है और भूटान से सटे अरुणाचल प्रदेश में मागो से शुरू होगी और म्यांमार सीमा के पास विजयनगर में समाप्त होने से पहले ये तवांग, घाटी, देसाली, चागलागम, किबिथू, डोंग, ऊपरी सुबनसिरी, तूतिंग, मेचुका, ऊपरी सियांग, देबांग से होकर गुजरेगी। इस परियोजना के साथ, अरुणाचल प्रदेश को तीन राष्ट्रीय राजमार्ग मिलेंगे।

महापरिनिर्वाण दिवस पर प्रधानमंत्री मोदी ने दी बाबा साहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को महापरिनिर्वाण दिवस पर संविधान निर्माता एवं भारत रत्न बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने एक ट्वीट किया, महापरिनिर्वाण दिवस पर मैं डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर को श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और हमारे राष्ट्र के लिए उनकी अनुकरणीय सेवा को याद करता हूं। उनके संघर्षों ने लाखों लोगों को उम्मीद दी। भारत को इतना व्यापक संविधान देने के उनके प्रयासों को कभी भुलाया नहीं जा सकता। आंबेडकर की पुण्यतिथि हर वर्ष छह दिसंबर को मनाई जाती है। इसे महापरिनिर्वाण दिवस के तौर पर मनाया जाता है। बाबासाहेब आंबेडकर का निधन छह दिसंबर, 1956 को नयी दिल्ली में हुआ था।

श्रद्धा डर केस के आरोपी आफताब ने दिखाई चुनाव नतीजों में दिलचस्पी, पुलिस से पूछा किसकी बनी सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम में किसकी सरकार बनने जा रही है? ये सवाल सिर्फ जनता के मन पर ही नहीं बल्कि श्रद्धा डर केस के आरोपी आफताब के दिमाग में भी उथल पुथल मचा रहा है। तिहाड़ जेल में बंद आरोपी ने दिल्ली नगर निगम में बन रही सरकार और गुजरात चुनाव को लेकर सेल के बाहर खड़े सुरक्षाकर्मी से जानकारी मांगी है। बेहद शातीराना अंदाज में श्रद्धा की हत्या करने वाले आफताब ने चुनाव मुद्दे पर सुरक्षाकर्मियों से बात की है। आफताब पुलिसकर्मियों से चुनाव से संबंधित सवालों को भी पूछता रहता है। राजनीतिक मुद्दों पर भी आफताब सेल में रहने के दौरान चर्चा करता है। उसे

चुनाव में लीड ले रही पार्टी और इस संबंध में हर अपडेट पर काफी इंटरेस्ट है। पुलिसकर्मियों से चुनाव से संबंधित सवाल पूछता रहता है। वो ये भी बातें करता है कि कौन सी पार्टी आगे है, किसे लीड मिल रही है। सेल में रहते हुए आफताब चुनावों की पूरी अपडेट अपने पास रख रहा है। आफताब जेल में सामान्य तरीके से रह रहा है और बर्ताव कर रहा है। बता दें कि आफताब का पॉलीग्राफ टेस्ट हो चुका है। पॉलीग्राफ टेस्ट किए जाने के दौरान आफताब पर हमला हुआ था, जिसके बाद उसकी सुरक्षा में बढ़ोतरी की गई थी। आफताब को किसी तरह का डर नहीं लगता है, वो सामान्य तरीके से ही अपने सेल में घूमता और पुलिस कर्मी से बात करता है।

गौरतबल है कि 28 वर्षीय पूनावाला पर 'लिव इन रिलेशन' में रह रही वालकर की हत्या करने, उसके शव के 35 टुकड़े कर उन्हें तीन सप्ताह तक दक्षिणी दिल्ली के महरौली स्थित आवास में 300 लीटर के फ्रिज में रखने एवं शव के हिस्सों को कई दिनों में शहर के विभिन्न हिस्सों में ठिकाने लगाने का आरोप है। पूनावाला को 12 नवंबर को गिरफ्तार किया गया और पांच दिनों के लिए पुलिस हिरासत में भेजा गया। इस अवधि को 17 नवंबर को और पांचदिन के लिए बढ़घया गया। अदालत ने 26 नवंबर को उसे 13 दिनों के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

कश्मीरी पंडितों को मिली आतंकी धमकी, महबूबा मुफ्ती का सवाल, कैसे लीक हुई जानकारी ?

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर में कश्मीरी पंडितों की सुरक्षा एक बहुत बड़ी चिंता है। इसका कारण यह है कि कश्मीर घाटी में काम कर रहे 56 कश्मीरी पंडितों को एक आतंकवादी संगठन से धमकी मिली है। इसको लेकर उनमें दहशत भी है। अब इसी को लेकर लगातार सवाल उठ रहा है कि आखिर कश्मीरी पंडितों के नाम लिक कैसे हुए हैं? जम्मू कश्मीर की पूर्व मुख्यमंत्री और पीडीपी प्रमुख महबूबा मुफ्ती ने भी सरकार से यही सवाल पूछा है। अपने बयान में महबूबा मुफ्ती ने कहा कि ये अफसोस की बात है कि कश्मीरी पंडितों की जानकारी सरकारी दफ्तरों से लीक हो रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि इसकी जिम्मेवार यहां की सरकार है, सरकार को जवाब देना चाहिए। सरकार कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में नाकाम हो गई है। इस मुद्दे पर कांग्रेस का भी बयान सामने आया है। कांग्रेस के हरीश रावत ने कहा कि इसमें कोई शक नहीं है कि कश्मीरी पंडितों को सुरक्षा देने में वर्तमान सरकार नाकाम रही है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये स्थितियों का फायदा उठाना चाहते हैं लेकिन कश्मीर में पंडितो की वापसी के लिए पिछले 8 सालों में कोई प्रयास दिखाई नहीं दिए हैं।

सीमा विवाद पर बोले कर्नाटक सीएम, इसका चुनाव से कोई लेना–देना नहीं, तनाव महाराष्ट्र की वजह से पैदा हुए

मुंबई। महाराष्ट्र और कर्नाटक के बीच सीमा विवाद काफी लंबे समय से देखने को मिल रहा है। दोनों ओर से लगातार बयानों का दौर भी देखने को मिल रहा है। इन सब के बीच कर्नाटक के मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई का भी बयान सामने आया है। अपने बयान में उन्होंने कहा कि कर्नाटक के इस स्टैंड का चुनाव से कोई लेना–देना नहीं था, यह महाराष्ट्र द्वारा लंबे समय से खींचा गया मुद्दा है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ये तनाव महाराष्ट्र की वजह से पैदा किए गए हैं। दोनों राज्यों के लोगों में समृद्धि है, यह (सीमा मुद्दा) सुप्रीम कोर्ट में है और मुझे यकीन है कि हम कानूनी लड़ाई जीतेंगे। महाराष्ट्र के साथ सीमा विवाद को लेकर कर्नाटक में राजनीति हो रही है और इसको चुनाव से भी जोड़ा जा रहा है। बसवराज बोम्मई ने आगे कहा कि हम अपनी सीमाओं और लोगों की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि हम महाराष्ट्र, केरल और

तेलंगाना में कन्नड़ लोगों की सुरक्षा के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। दूसरी ओर महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने कहा कि इस बारे में अंतिम निर्णय मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे लेंगे कि कर्नाटक के साथ राज्य के सीमा विवाद का समन्वय करने के लिए नियुक्त मंत्रियों को विवादित क्षेत्रों का दौरा करना चाहिए या नहीं। समन्वय मंत्री नियुक्त किये गये चंद्रकांत पाटिल और शंभूराज देसाई का छह दिसंबर को कर्नाटक के बेलगावी में महाराष्ट्र एकीकरण समिति के कार्यकर्ताओं से मुलाकात का और सीमा मुद्दे पर बातचीत का कार्यक्रम प्रस्तावित है। आपको बता दें कि बेलगावी, कारवार और महाराष्ट्र तथा कर्नाटक सीमा पर स्थित कई अन्य गांवों पर किस राज्य का प्रशासनिक नियंत्रण होना चाहिये, इसको लेकर विवाद है। यह मुद्दा 1960 में महाराष्ट्र की स्थापना के बाद से उच्चतम न्यायालय में लंबित है। उन्होंने कहा कि किसी को भी किसी जगह पर जाने से रोका नहीं जाना चाहिए, क्योंकि हम एक स्वतंत्र देश हैं। हालांकि, विवादित क्षेत्र से जुड़ा मामला अब भी उच्चतम न्यायालय में विचाराधीन है और हम चाहते हैं कि इस मामले में आगे कोई जटिलता नहीं आए। यदि मंत्री ऐसा करने का निर्णय लेते हैं तो उन्हें विवादित क्षेत्रों का दौरा करने से कोई भी रोक नहीं सकता है।

सीएम योगी 1458 करोड़ से अधिक की परियोजनाओं का करेंगे शिलान्यास और लोकार्पण

बरेली। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार को करीब सवा दो घंटा शहर में रहेंगे। इस दौरान प्रबुद्ध सम्मेलन में भाग लेने के साथ ही योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण भी करेंगे। फिर कुछ देर के लिए कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भतीजे के विवाह समारोह में शामिल होंगे। शासन से जारी कार्यक्रम के अनुसार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार दोपहर पहले शाहजहांपुर जाएंगे। करीब चार बजे मुख्यमंत्री राजकीय हेलीकाप्टर से पुलिस लाइन पहुंचेंगे। वहां से सीधे बरेली कालेज स्थित कार्यक्रम में आएंगे। बरेली कालेज के मैदान पर प्रबुद्ध सम्मेलन में जनता को संबोधित करेंगे। इसके बाद वह जिले में विकास की तमाम योजनाओं की सौगात देंगे। 1458 करोड़ से अधिक की 188 परियोजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे। करीब डेढ़ घंटे के कार्यक्रम के बाद वह बरेली क्लब मैदान पर आयोजित कैबिनेट मंत्री धर्मपाल सिंह के भतीजे नरेंद्र के विवाह समारोह में शामिल होने जाएंगे। करीब 15 मिनट रुकने के बाद वह त्रिशूल एयरपोर्ट को चले जाएंगे। करीब सवा छह बजे राजकीय वायुयान से गाजियाबाद को जाएंगे।

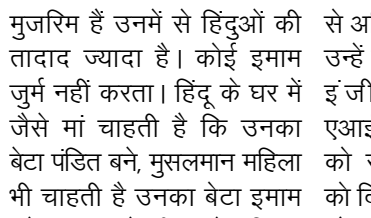

देश के मुजरिमों में हिन्दुओं की तादाद ज्यादा, बच्चों को इमाम ना बनाने वाले असम सीएम की टिप्पणी पर एआईयूडीएफ ने किया पलटवार

नई दिल्ली। असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने महिलाओं और हिंदू समुदाय पर एआईयूडीएफ प्रमुख की विवादास्पद टिप्पणियों के तीन दिन बाद बदरुद्दीन अजमल की आलोचना की। सरमा ने कहा कि अजमल ने कहा था कि महिलाओं को अधिक से अधिक बच्चों को जन्म देना चाहिए, ष्लेकिन मैं कहता हूं कि अगर महिलाएं अधिक बच्चों को जन्म देती हैं, तो उन्हें बच्चों के बड़े होने तक उनका पालन–पोषण करना चाहिए और उनके खर्चों का भुगतान करना चाहिए। इसके अलावा हिमंत बिस्वा सरमा ने मुस्लिम महिलाओं से अपने बच्चों को जनाम इमाम बनाने की बजए डॉक्टर और इंजीनियर बनाने की अपली की

थी। सरमा ने कहा था कि मुस्लिम महिलाओं को अपने पेट को बच्चा बनाने की फैक्ट्री न बनने देना चाहिए। अब हिमंत सरमा के बयान पर मौलाना अजमल की पार्टी की तरफ से पलटवार सामने आया है। एआईयूडीएफ नेता रफीकुल इस्लाम ने कहा कि देश में जितने भी मुजरिम हैं उनमें से हिंदुओं की तादाद ज्यादा है। कोई इमाम जुर्म नहीं करता। हिंदू के घर में जैसे मां चाहती है कि उनका बेटा पंडित बने, मुसलमान महिला भी चाहती है उनका बेटा इमाम बने। असम के सीएम ने मुस्लिम महिलाओं का जिक्र करते हुए कहा था कि "मुझे आपके वोटों की जरूरत नहीं है, लेकिन अजमल की बात मत सुनो। दो से अधिक बच्चे न हों ताकि आप उन्हें शीर्ष खिलाड़ी, डॉक्टर और इंजीनियर बना सकें य एआईयूडीएफ प्रमुख ने शुक्रवार को समाचार एजेंसी एएनआई को दिए एक साक्षात्कार में कथित तौर पर श्लव जिहादश पर मुख्यमंत्री की टिप्पणी के जवाब में महिलाओं और हिंदू पुरुषों के साथ–साथ सरमा पर भी टिप्पणी की थी।

अधिवक्ताओं ने पुलिस के खिलाफ मार्ग जामकर किया प्रदर्शन

कहा–तीन वकीलों की पिटाई मामले में पुलिस कर्मी सस्पेंड हों

अयोध्या। कचहरी के पास आक्रोशित वकीलों ने रिकाबगंज सहादतगंज मार्ग जाम लगाकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की। अधिवक्ताओं ने एसएचओ रौनाही संतोष सिंह पर तीन वकीलों की पिटाई का आरोप लगाया। इस दौरान दो घंटे तक यातायात व्यवस्था बाधित रही। वाहनों को दूसरे मार्ग से होते हुए आना–जाना पड़ा। इस दौरान अधिवक्ताओं ने रौनाही थाने के घेराव को जाने के लिए कहा है। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष कालिका प्रसाद मिश्र के नेतृत्व में सुबह सौकड़ों की संख्या में अधिवक्ता रिकाबगंज सहादतगंज मार्ग पर पहुंचे। अधिवक्ता पुलिस प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी करते हुए मार्ग को जाम कर दिया। अधिवक्ता एसएचओ रौनाही द्वारा तीन वकीलों की पिटाई से नाराज दिखाई दिए। अधिवक्ताओं ने पुलिस प्रशासन से आरोपी एसएचओ रौनाही संतोष सिंह को सस्पेंड करने की मांग कर रहे थे। अधिवक्ताओं का आरोप है कि जमीनी विवाद में तीनों वकील थाना रौनाही गए थे। जिसके बाद पुलिस ने वकीलों की पिटाई किया। अधिवक्ता संघ अध्यक्ष कालिका प्रसाद ने बताया कि एसएचओ खुद को दबंग बताता है। यह भी बताता है कि उसपर सत्ता दल का आशीर्वाद है।

इसलिए उसका कुछ नहीं होने वाला है। इसीलिए वह वकीलों के साथ बदसलूकी किया है। जिसे हम बरदास्त नहीं करेंगे। अधिवक्ताओं की प्रदर्शन को देखते हुए मौके पर भारी पुलिस बल की तैनाती की गई। 12 बजे से लेकर दो बजे तक अधिवक्ताओं का प्रदर्शन जारी रहा। इसके बाद आक्रोशित वकीलों ने थोड़ी देर में थाना रौनाही कूच करने का ऐलान करने के साथ ही मार्ग से धरने को समाप्त किया। हंगामे के चलते सहादतगंज से लखनऊ मार्ग पर आवागम दो घंटे तक बाधित रहा। वाहनों का आवागमन गलियाओं और दूसरे रास्तों से कराना पड़ा। हालांकि इस दौरान हजारों लोग प्रभावित हुए।

जमीन विवाद को लेकर दो पक्ष हुए आमने–सामने

-पुलिस पर एक पक्ष ने लगाया पिटाई का आरोप, स्थानीय ग्रामीणों ने आरोप को बताया बे बुनियाद

सोहावल–अयोध्या। रौनाही थाना क्षेत्र के शेखपुर जाफर गांव निवासी तीन अधिवक्ता भाइयों का गांव के ही निवासी कृष्ण कुमार से जमीन विवाद सुबह उग्र रूप में बदल गया। आक्रोशित अधिवक्ताओं द्वारा कचहरी से थाना रौनाही कूच कर घेराव करने की घोषणा से तहसील एवं पुलिस प्रशासन में हडकंप मच गया।

विवादित स्थल पर क्षेत्राधिकारी राजेश कुमार त्रिपाठी थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह भारी पुलिस बल के साथ उप–जिलाधिकारी सोहावल मनोज कुमार श्रीवास्तव राजस्व कर्मियों के साथ विवादित स्थल पर पहुंचे। सोहावल बार एशोसिएशन अध्यक्ष कमलेंद्र शुक्ला महामंत्री बैजनाथ पांडेय को बुलाकर विवाद सुलझवाने मे सहयोग मांगा। विवाद की जमीनी हकीकत समझी।

विपक्षी कृष्ण कुमार ने बताया कि मेरी जमीन गाटा संख्या 149 से सटी अधिवक्ता अनिल कुमार, सुनील कुमार, अर्जुन कुमार, की गाटा सं 150 में जमीन है। मेरा रकबा कम होने की आशंका को देखते हुए पैमाइश की तहसील प्रशासन में वाद दाखिल किया स तहसीलदार द्वारा हदबरारी में आदेश भी हुआ हद बरारी के पहले निर्माण शुरु करने का विरोध करने पर तीनों भाई जो कचहरी में अधिवक्ता हैं,आक्रोशित हो गये। अधिवक्ता का आरोप है कि गाटा संख्या 150 मेरी जमीन होने के कारण निर्माण शुरु किया। विपक्षी द्वारा निर्माण कार्य में बाधा डालते हुए निर्माणाधीन दीवार गिरा दी गयी। जमीन विवाद की सूचना और तहसील प्रशासन के आदेश पर थाना प्रभारी संतोष कुमार मौके पर पहुंचे । मामले में उप–जिलाधिकारी ने बताया कि मौका मुआयना करने पर धारा 24 के अंतर्गत मेढबंदी होनी हैं। जिसका आदेश पहले ही दे दिया गया है स क्षेत्राधिकारी ने पुलिस से संबधित मामले के बारे में बताया कि मामला दो पक्षों में जमीनी विवाद का है। मेढबंदी तक निर्माण कार्य को रोका गया है। पुलिस द्वारा अभद्रता करने के आरोपों के बारे इंकार करते हुए कहा कि मामले की शिकायत मिलने पर आवश्यक कार्रवाई की जायेगी ।जबकि मौके पर मौजूद स्थानीय लोगों का कहना है कि पुलिस द्वारा मौके पर कोई मारपीट नहीं की गयी है। सिर्फ जमीन पर कब्जा करने के लिये खड़यंत्र ही है।

10 हजार रुपए के लेनदेन में दबंगों ने युवक को दौड़ा–दौड़ा कर पीटा,मुकदमा दर्ज

कानपुर। शहर के नवाबगंज इलाके में महज 10 हजार रुपए के लेनदेन में दबंगों ने युवक को दौड़ा–दौड़ा कर पीटा। मामले का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। इसके बाद नवाबगंज पुलिस ने एफआईआर की है। वीडियो की मदद से आरोपियों की पहचान की जा रही है। नवाबगंज थाना प्रभारी प्रमोद कुमार पांडेय ने बताया कि नवाबगंज निवासी अंशुल यादव का इलाके में रहने वाले अर्पित से 10 हजार रुपए के लेनदेन का विवाद था। जिसे लेकर उसने शुक्रवार को अपने साथी उद्देश्य व टेबू के साथ मिलकर उसे देर रात लाठी डंडों से पीट दिया। उसके साथी बचाने दौड़े तो उन्हें भी पीटा। इलाके में दौड़ा–दौड़ा कर मारपीट करने से मोहल्ले के लोगों और पीड़ित के साथ ही उसके परिवार में दहशत है। इस दौरान किसी ने इसका वीडियो बना लिया और सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। मामले की जानकारी मिलते ही पीड़ित से तहरीर लेकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। उसकी तलाश में दबिश दी जा रही है। नवाबगंज थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के साथ ही आपराधिक चिट्ठा भी खंगाला जा रहा है। अगर दबंगों का आपराधिक इतिहास मिला तो उनके खिलाफ गुंडा एक्ट या फिर हिस्ट्रीशीट खोली जाएगी।

आचार्य नरेंद्र देव वार्ड के सैकड़ों लोगों ने ली आप की सदस्यता

जनता के बीच अरविंद केजरीवाल की नीतियां सर्वाधिक लोकप्रियः सभाजीत सिंह

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम के आचार्य नरेंद्र देव वार्ड के सैंकड़ों लोगों ने रीडगंज आम आदमी पार्टी कार्यालय पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। आम आदमी पार्टी निकाय चुनाव समिति के प्रदेश अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने जिला अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति की मौजूदगी में आचार्य नरेंद्र देव वार्ड से मो मेहदी उर्फ आफाक मिर्जा के नेतृत्व में आए लोगों को आम आदमी पार्टी कार्यालय पर सदस्यता दिलाई। सभी ने निकाय चुनाव में आम आदमी पार्टी उम्मीदवार को जिताने का संकल्प लिया। सभाजीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी जनसंपर्क कर लगातार अपना जनाधार बढ़ाने में सफल रही है और लोगों ने भी अपना पूर्ण समर्थन हमें दिया है. उन्होंने कहा कि आम आदमी पार्टी की नीतियां जनता के बीच लोकप्रिय हो चुकी हैं और जनता अरविंद केजरीवाल के दिल्ली मॉडल को उत्तर प्रदेश में भी लाना चाहती है लोग बडी संख्या में आम आदमी पार्टी से जुड़ रहे हैं। निकाय चुनाव समिति के अध्यक्ष सभाजीत सिंह ने कहा कि आम आदमी पार्टी द्वारा बिजली, पानी, शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में ऐतिहासिक काम हुआ है जिसकी प्रशंसा दुनियाभर में हो रही है सभाजीत सिंह ने कहा कि आप की सार्थक नीतियों के कारण आज निकाय चुनाव में जनता पूर्ण रूप से अपना सहयोग दे रही है. उन्होंने कहा कि लंबे समय से नगर निगम, नगर पालिका, नगर पंचायत में व्याप्त भ्रष्टाचार से जनता आहत हो चुकी है यहां तक कि पीड़ित लोगों द्वारा शिकायत को भी अधिकारियों द्वारा नजरअंदाज कर दिया जा रहा है और यही कारण है कि आम आदमी पार्टी इस बार निकाय चुनाव में हर सीट पर पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ कर जनता को लाभ पहुंचाएगी और भ्रष्टाचार को समाप्त कर साफ सुधरी ईमानदार सरकार देगी । इस अवसर पर जिला अध्यक्ष अनिल कुमार प्रजापति, महताब हुसैन तनवीर अहम मुबारक अली बाबी कुमार प्रदीप सोनी विजय कुमार उपस्थित रहे ।

कुल 67 वार्डों के पार्षदों को दोबारा चुनाव लड़ने पर लटकी तलवार

कानपुर। निकाय चुनाव का आरक्षण जारी होने के बाद नगर निगम में सरगर्मी तेज हो गई है। जारी हुए प्रस्तावित आरक्षण में 67 पार्षदों पर अब एक तरह से ग्रहण लग गया है, क्योंकि इस बार कुल 67 वार्डों के पार्षदों को दोबारा चुनाव लड़ने पर तलवार लटक गई है। अब यह पार्षद अपने आसपास के वार्डों में सेटिंग करने में लग गए हैं। करीब 60 फीसदी वार्डों में इस बार नया पार्षद मिलेगा। इन वार्डों पर लगा ग्रहणः जारी हुए प्रस्तावित आरक्षण में कुल 50 सीटों को आरक्षित रखा गया है, वहीं, महिलाओं के लिए 37 सीटें हैं। पिछड़ा वर्ग के लिए 14 और अनुसूचित जाति के लिए 9 सीटें आरक्षित हैं, लेकिन इन कुल 110 वार्डों में 67 ऐसे वार्ड हैं, जिनका इस बार आरक्षण बदल दिया गया है। ऐसे में ज्यादातर पार्षद अब आपत्ति दर्ज कराने की तैयारी में हैं। आपत्ति दर्ज कराने के लिए अब भी 4 दिन का समय बचा है। प्रस्तावित आरक्षण के मुताबिक बदले गए कुल 67 वार्ड में से कुल 39 महिला को आरक्षण दिया गया है। यानी इन वार्डों के पार्षद अपनों को चुनाव लड़ाने के लिए चाल चल रहे हैं। कई पार्षद अब अपनी पत्नी, रिश्तेदारों को चुनाव में खड़ा कर सकते हैं। इसके लिए पार्षद अभी से ही टिकट को लेकर पार्टियों की परिक्रमा शुरू कर दी है।

रामपथ चौड़ीकरण को लेकर लता मंगेशकर चौक मार्ग बंद

–श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिहाज से बंद किया गया है मुख्य मार्ग

अयोध्या। राम पथ के चौड़ीकरण को लेकर लता मंगेशकर चौक से तुलसी प्रमोद वन तिराहे तक मुख्य मार्ग बंद कर दिया गया है। इस समय नयाघाट क्षेत्र में दुकानें और मंदिर गिराए जा रहे है।श्रद्धालुओं और राहगीरों की सुरक्षा के लिहाज से बंद ऐसा किया गया है।छोटी देवकाली तक दुकानें खाली कर दी गई है। लता मंगेशकर चौक से तुलसी उद्यान तक ऊंची बिलिंडग और दुकानें गिराई जा रही है। यह काम तुलसी दास छावनी मंदिर के सामने तक पहुंच चुका हैस इस कार्यवाही को देखते हुए छोटी देवकाली तक दुकानें खाली कर दी गई है। बेबस दुकानदार अपनी–अपनी बारी का इंतजार कर रहे हैं।

मार्ग चौड़ीकरण की कार्रवाई हुई तेज होने के बाद लता मंगेशकर चौक से शहर में आने के लिए रूट डायवर्ट किया गया है। हनुमान गुफा से प्रमोद वन होते हुए मुख्य मार्ग पर चार पहिया– दोपहिया वाहन आ सकेंगे। राम पथ चौड़ी करण का कार्य युद्ध स्तर पर चल रहा हैस इसके लिए दो पोकलैंड औए एक जेसीबी मशीन लगाई गई हैस मलबा हटाने का काम भी जारी है। अयोध्या उद्योग व्यापार मंडल ट्रस्ट के अध्यक्ष नन्द कुमार गुप्ता "नंदू" ने कहा कि राम पथ चौड़ीकरण कार्ययोजना में प्रशासनिक मनमानी थमने का नाम नही ले रहा रहास नयाघाट पर उत्तर पटरी पर बीच सड़क से दस मीटर के डीपीआर के बायजूद प्रशासन को दो पोकलैंड दो बुलडोजर लगातार कहर बरपाते हुए जबरिया 15से 20मीटर तक बने दुकानों मकानो को जमींदोज कर रहा है।

नेपाली भवन से शुरू हुआ यह अभियान गंगाबाई धर्मशाला और शुक्ला मंदिर मंदिर होते हुए राजा बोध सिंह मंदिर तक पहुँच चुका है। मुवाअजा नहीं मिलने डीपीआर से ज्यादा लेने विस्थापित हो दुकानदारो को बिना एलाटमेंट लेटर दिये स्थानीय लोगो द्वारा 2 दिसबंर को विरोध के कारण पीएसी के साथ भारी पुलिस फोर्स का जमावड़ा रहास राजा बोध मंदिर के दोनों ऐतिहासिक शिवालों को जमींदोज किया जा चुका है। नन्द कुमार गुप्ता "नंदू" ने कहा प्रशासनिक कार्यवाही की आलोचना करते हुए उसे तानाशाही करार दिया है। कहा कि जब डीएम द्वारा स्वयं डोर टू डोर एक एक दुकानदारों से मिलकर 15दिसबंर तक स्वयं तोड़ लेने का समय दिया गया था तो किसके आदेश पर बुलडोजर चलाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशासन डीपीआर से ज्यादा जमीन लेकर दुकानदारों को जबरिया विस्थापित करा रहा है। उपरोक्त प्रकरण की मजिस्ट्रेटी जांच कराकर आरोपी के खिलाफ मुकदमा लिख तत्काल कारवाई होनी चाहिए। दुकानदारों से जो डीपीआर से अधिक जमीने ली गयी है प्रशासन उपरोक्त पीड़ितो को वह जमीन वापस दिलाकर कब्जा दिलाये।

भारत–पाक युद्ध के नौसैनिक शहीदों को अर्पित की श्रद्धांजलि

अयोध्या। शहीद स्मारक सेवा समिति के तत्वाधान में नौसेना दिवस पर अमर जवान मंगल पाण्डेय चौक स्थित सैन्य शहीद स्मारक पर नौसैनिक शहीदों को श्रद्धांजली कार्यक्रम का आयोजन किया गया नौसेना दिवस पर 1971 पर भारत–पाक युद्ध के नौसैनिक शहीद गोपाल पाण्डेय व शहीद विक्रमादित्य सिंह को शहीद मदन गोपाल पाण्डेय वीर नारी गंगोत्री पाण्डेय नें शहीद स्मारक पर पुष्प अर्पित किया साथ किया समिति द्वारा वीर नारी गंगोत्री पाण्डेय को शॉल देकर सम्मानित किया गया ।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राष्ट्रपति द्वारा पुरस्कृत शिक्षक डॉ0 रामतेज पाण्डेय नें किया संचालन ओम प्रकाश सिंह नाहर ने किया। अतिथियों का स्वागत कैप्टन जे0पी0 द्विवेदी व धान्यवाद कैप्टन के0के0 तिवारी ने दिया । ज्ञात हो कि 1971 भारत–पाक युद्ध में नौसेना की पन्डुब्बी खुखरी में भारतीय नौसेना के जवानों ने समुन्द्र सीमा के अन्दर पाकिस्तान के नौसैनिको के साथ युद्ध कर रही थी। पाकिस्तान के गाजी पन्डुब्बी नें खुखरी पन्डुब्बी पर हमला करके 100 से अधिक सैनिकों को शहीद कर दिया था बाद में हमारे नौसैनिकों ने उसका विधवंश कर दिया गया है। जिसमें फैजाबाद के शहीद मदन गोपाल पाण्डेय व शहीद विक्रमादित्य सिंह नें अपनी शहादत देकर भारत की समुन्द्र सीमा रक्षा की। देश उन्हें सलाम करते है। कार्यक्रम में प्रमुख रूप से कबीन्द्र साहनी, कैप्टन जे0पी0 द्विवेदी , कैप्टन के0के0 तिवारी , पूर्व प्रधानाचार्य शिवाकान्त तिवारी , कृपा निधान तिवारी , भारती सिंह , सचिन सरीन , रीना द्विवेदी, दुर्गा प्रसाद तिवारी , बिन्दु सिंह , प्रयाग दत्त तिवारी, रमेश चौरसिया, मानव मलहोत्रा, शशि शर्मा, शोभा राजपूत(मुम्बई), लता कश्यप, शरद सिंह, राजेश कपूर, रामकृष्ण सिंह, मयंक साहनी , रजनीश शुक्ला (दिव्यांग) आदि नें शहीदों को श्रद्धा–सुमन अर्पित किया।

इरफान सोलंकी मामलाः पुलिस के लिए आधार कार्ड बरामद करना बड़ी चुनौती

इरफान ने अशरफ की ही पहचान का इस्तेमाल कर किया था हवाई सफर

कानपुर। सपा विधायक इरफान सोलंकी के मामले में पुलिस के लिए आधार कार्ड बरामद करना बड़ी चुनौती है। पुलिस ने दावा किया है कि अशरफ अली के आधार कार्ड को स्कैन कर इरफान ने अपनी फोटो लगाई। इसका इस्तेमाल एयरपोर्ट में प्रवेश करने, होटल बुक करने व टिकट बुकिंग में इस्तेमाल किया गया। यह आधार कार्ड अब तक पुलिस बरामद नहीं कर सकी है। कोर्ट ने भी इस पर सवाल खड़े किए थे। हालांकि पुलिस को होटल में लगाए गए आधार की स्कैन की हुई एक कॉपी मिली है। इसमें तस्वीर बहुत स्पष्ट नहीं दिखाई दे रही है। पुलिस अफसरों का कहना है कि प्रयास जारी है। उम्मीद है कि जल्द आधार कार्ड की मूल कॉपी बरामद कर ली जाएगी।

वहीं सपा विधायक इरफान सोलंकी को फरार कराने के मामले में पुलिस ने जेल में बंद सपा नेत्री नूरी शौकत के भाई अशरफ अली उर्फ शेखू को हिरासत में ले लिया। विवेचक से लेकर उच्चाधिकारियों ने कई घंटे तक पूछताछ कर मामले की जानकारी ली। कई आरोपों को उसने स्वीकारा तो कुछ को नकारा भी। हालांकि विधायक को फरार कराने में मदद की बात कबूली है। पुलिस उसके खिलाफ और पुख्ता साक्ष्य जुटा रही है। उसके बाद गिरफ्तारी करेगी। बीती आठ नवंबर को जाजमऊ थाने में इरफान सोलंकी, उसके भाई रिजवान समेत 55 अज्ञात पर आगजनी, रंगदारी व अन्य गंभीर धाराओं में केस दर्ज किया था।

इसके बाद दोनों फरार हो गए थे। इस बीच पुलिस को जानकारी हुई थी कि इरफान सोलंकी ने अशरफ अली के नाम से फर्जी आईडी बनाई और उसके जरिये हवाई सफर किया। होटल में भी ठहरे। पुलिस ने सपा नेत्री नूरी शौकत, उसके ड्राइवर अम्मार इलाही, विधायक के सालों अख्तर व अनवर मंसूरी को जेल भेजा था। ये सभी फरार कराने में मददगार बने थे। शुक्रवार को इरफान व रिजवान पुलिस के सामने सरेंडर कर जेल चले गए थे। पुलिस ने अब अशरफ अली को हिरासत में लिया है। इरफान ने अशरफ की ही पहचान का इस्तेमाल कर हवाई सफर किया था। उसी के नाम व पते के आधार कार्ड पर अपनी फोटो लगाकर पूरा खेल किया। अशरफ से गहनता से पूछताछ जारी है। पुलिस जल्द इस मामले में खुलासा करेगी।

युवक ने तीन लोगों पर लगाया मारपीट का आरोप

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली इलाके के एक अनुसूचित जाति के युवक ने तीन युवको के खिलाफ जाति सूचक शब्दो के साथ गाली गलौज व मारपीट करने का आरोप लगाया है।मामले में कोतवाली पुलिस ने एससी एसटी सहित अन्य सुसंगत धाराओं में केस दर्ज किया है।दिए गए शिकायतीं पत्र मे बेलवारी गांव निवासी अनसूचित जाति के मनोजकुमार पुत्र बिरोगी का आरोप है कि गांव के ही निवासी अंकुर पांडे पुत्र प्रकाश कुमार,शनि पांडे पुत्र मकराध्वज व शनि का भाई नाम अज्ञात बिना किसी कारण के अपशब्द कहते हुए मारने लगे।जिससे उसके सर व हाथ में चोटे आई है।गोहार लगाने पर दौड़े गांव के लोगो ने जब उनका विरोध किया तो जातिसूचक शब्दो के साथ पुलिस से शिकायत करने पर जान से मारने की धमकी देने लगे।एसएचओ अक्षयकुमार के मुताबिक पीड़ित तहरीर पर अंकुर पांडे,शनि पांडे व शनि के भाई के खिलाफ केस दर्जकर विवेचना सीओ सदर को सौपी गयी है।

पुलिस ने दो वारंटियों को किया गिरफ्तार

गोसाईगंज–अयोध्या। गोसाईगंज कोतवाली पुलिस ने दो अलग अलग जगहों से न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर फरार चल रहे वारंटियों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए वारंटियों की पहचान जितेंद्रकुमार पुत्र भोलानाथ निवासी कदियापुर व सुरेंद्र कोरी पुत्र स्व0भगवानदीन निवासी लालपुर बनकटवा कोतवाली गोसाईगंज अयोध्या के रूप में हुई।सभी को चालान कर न्यायालय रवाना कर दिया गया।एसएचओ अक्षयकुमार के मुताबिक दोनो वारंटियों को उनके घर से गिरफ्तार किया गया। ये वारन्टी लम्बे समय न्यायालय के आदेश की अवहेलना कर फरार चल रहे थे और न्यायालय से इनके खिलाफ वारंट जारी हुई थी।

एसएसपी ने सुनी जनता की समस्याएं

अयोध्या। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी ने कार्यालय में जनता की समस्याओं को सुनने के बाद उनके त्वरित निस्तारण और कार्रवाई के लिए सम्बन्धित अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके बाद पुलिस आफिस व पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। एसएसपी मुनिराज जी द्वारा पुलिस लाइन स्थित कार्यालय में समस्या लेकर आयी हुयी जनता की समस्याओं को सुनकर उनके त्वरित निस्तारण एवं कार्रवाई हेतु सम्बन्धित को निर्देशित किया गया। समस्याओं को सुनने व निस्तारित करने के बाद पुलिस कार्यालय सीसीटीएनएस, प्रधान लिपिक शाखा, आइजीआरएस, वाचक, जनशिकायत, अभिसूचना आदि शाखाओं के साथ पुलिस लाइन का निरीक्षण किया। कार्यालय में कार्यरत पुलिस कर्मियों से उनके द्वारा किए जा रहे कार्यों के संबंध में पूछताछ एवं अभिलेखों का अवलोकन किया और उनको सही ढंग से रखरखाव के लिए संबंधित को निर्देशित किया गया। उन्होंने सभी कर्मचारियों को अपने कार्यालय को स्वच्छ रखने के कड़े निर्देश भी दिए।

किसानों में वितरित किया गया दलहनी व तिलहनी फसलों का बीज

मिल्कीपुर–अयोध्या। क्षेत्र के राजकीय बीज गोदाम पर आयोजित कृषक गोष्ठी में किसानों को दलहनी व तिलहनी फसलों के निशुल्क बीज वितरित किए गए। गोष्ठी को संबोधित करते हुए जिला कृषि अधिकारी ओमप्रकाश मिश्र ने किसानों को प्राकृतिक जैविक खेती करने पर जोर दिया। जिला कृषि अधिकारी ने 20 किसानों को 16 किलो चना बीज का पैकेट, 30 किसानों को 8 किलो मसूर बीज का पैकेट तथा 50 किसानों को 2 किलो सरसों बीज का पैकेट निशुल्क वितरित किया। जिला कृषि अधिकारी ने किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि किसान जीवामृत व घन जीवामृत का प्रयोग कर जैविक प्राकृतिक खेती कर सकते हैं। जो भूमि की उर्वरा शक्ति को बढ़ाने के साथ–साथ स्वास्थ्य के लिए भी लाभप्रद है। कीट प्रबंधन के लिए उन्होंने बताया कि एक हौज में मदार, धतूरा व नीम का पत्ता गोमूत्र मे मिलाकर एक पखवाड़े तक ढक कर रख दें। जब पत्ते सड़ जाएं तो कपड़े से छानकर पानी में मिलाकर कीट प्रबंधन कर सकते हैं यह पौधों की विभिन्न बीमारियों में भी लाभप्रद है। गोष्ठी में भाजपा मंडल अध्यक्ष देवेंद्र सिंह, गोदाम प्रभारी शत्रुघ्न पांडे, नरसिंह नारायण तिवारी, महेश कुमार, राम अछैवर सिंह, अवधेश पांडे आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अंतर्जनपदीय पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

उन्नाव। पं0 दीन दयाल उपाध्याय स्पोर्ट्स स्टेडियम मे लखनऊ जोन की टीमों द्वारा उन्नाव मे आयोजित अन्तर जनपदीय क्रिकेट प्रतियोगिता 2022 के अवसर पर जिलाधिकारी अपूर्वा दुबे एवं पुलिस अधीक्षक सिद्धार्थ शंकर मीना ने संयुक्त रूप से गुब्बारा को हवा मे छोडकर एवं सिक्का उछालकर शुभारम्भ किया। अन्तर जनपदीय पुलिस क्रिकेट प्रतियोगिता 2022 का आयोजन 05 दिसम्बर से 08 दिसम्बर 2022 तक किया जा रहा है। इस प्रतियोगिता का पहला लीग मैच सीतापुर एवं बाराबंकी की टीमों के मध्य हो रहा है।

सीतापुर की टीम ने टॉस जीतते हुए पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। इस प्रतियोगिता में 11 जनपदों की पुलिस टीमों द्वारा प्रतिभाग किया जा रहा है, जिसमे सीतापुर, लखनऊ, उन्नाव, बाराबंकी, अम्बेडकर नगर, अयोध्या, अमेठी, सुल्तानपुर, राय बरेली, हरदोई एवं लखीमपुर खीरी है। इस क्रिकेट प्रतियोगिता में प्रत्येक टीम को 12 ओवर दिये जाएंगे। प्रतियोगिता का फाइनल 08 दिसम्बर को खेला जायेगा।

चुनावी पिच तैयार, प्रत्याशियों की होने लगी बौछार

भाजपा में दिख रहे प्रत्याशियों के सर्वाधिक दावेदार

दिलीप श्रीवास्तव/
दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। नगर निकाय चुनावों के लिए आरक्षण की सूची जारी होते ही प्रत्याशियों ने सिंबल के लिए भाग दौड़ शुरू कर दिया है डुमरियागंज नगर पंचायत की सीट सामान्य महिला होने की वजह से जहाँ कुछ प्रत्याशियों में खुशी की लहर है तो पिछडी सीट की आस लगाए कई दावेदारों के उम्मीदों पर पानी भी फिर गया है टिकटों के लिए जारी इस जोर आजमाइश में एक बार फिर प्रत्याशियों की आस्था बदलते हुए देखा जा सकता है राजनीति के पिच पर पिछले कई वर्षों से सपा के लिए बैटिंग कर रहे अतीकुर्रहमान ने निकाय चुनाव के कुछ समय पहले ही बसपा ज्वाइन कर लिया और बसपा की तरफ से प्रबल उम्मीदवार का विधानसभा चुनाव से पहले देखने

के रूप में सामने आये, लेकिन सूत्रों की माने तो एक और पूर्व नगर पंचायत प्रत्याशी जल्द ही बजापा की सदस्यता लेकर अतीकुर्रहमान के खेल को बिगाड़ सकते हैं कुछ इसी तरह बसपा से चुनाव जीते वर्तमान नगर पंचायत अध्यक्ष जफर अहमद पार्टी से मोह भंग हुआ और उन्होंने सपा ज्वाइन कर लिया माना जा रहा है कि कुछ ही समय में होने जा रहे निकाय चुनाव में अप्रत्यक्ष रूप से ही सही लेकिन वही सपा की तरफ से लड़ते हुए दिख सकते हैं टिकटों को लेकर सबसे दिलचस्प मुकाबला भाजपा में को मिल रहा है जहाँ विश्व की सबसे बड़ी पार्टी में उम्मीदवारों की फौज दिखाई पड़ रही है जहाँ एक तरफ विपरीत परिस्थितियों में भी डुमरियागंज नगर पंचायत की पहली अध्यक्ष होने का गौरव हासिल करने वाली भाजपा जिला महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि की पत्नी बीना अग्रहरि हैं तो वहीं दूसरी तरफ भाजपा महिला विंग की उपाध्यक्ष और लगातार क्षेत्र में सक्रिय रहीं तेज तर्रार माधुरी सोनी और भाजपा जिला व्यापार प्रकोष्ठ के अध्यक्ष अशोक अग्रहरि की पत्नी बीना देवी समेत कई अन्य दावेदार भी टिकट के लिए पार्टी के चक्कर काट रहे हैं इस मामले में कांग्रेस के प्रत्याशी को सबसे सेफ जोन में कहा जा सकता है जहाँ ना तो टिकट के लिए मारा मारी दिखाई दे रही है और ना ही किसी तरह की राजनीति माना जा रहा है कि पहले नगर पंचायत अध्यक्ष के चुनाव में जबरदस्त प्रदर्शन करने वाली अशोक गुप्ता की पत्नी मीना देवी ही कांग्रेस की प्रत्याशी होंगी आम आदमी पार्टी समेत कई अन्य पार्टियां जहाँ अपने अपने प्रत्याशियों की तलाश में हैं तो वहीं इस बार डुमरियागंज में मुख्य मुकाबला सपा, बसपा और भाजपा के साथ त्रिकोणीय होता हुआ दिखाई दे रहा है बताते चलें डुमरियागंज नगर पंचायत में अब तक दो बार चुनाव हुआ है जिसमें इस सीट पर एक बार भाजपा और दूसरी बार बसपा के उम्मीदवार नगर पंचायत अध्यक्ष बन चुके हैं।

भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से सांसद जगदंबिका पाल ने किया मुलाकात

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। भारतीय जनता पार्टी के सांसद सिद्धार्थनगर सहित भारत के विभिन्न मुद्दों पर बात विचार हुई। इस मौके पर सांसद ने अपनी राय रखी, साथ ही यह भी बताया कि का ककरहवा जो की लुम्बिनी से 27 किलोमीटर दूर भगवान बुद्ध का जन्मस्थल है, वहाँ एक लैड कस्टम स्टेशन खोलने के लिए निवेदन किया। उन्होने बताया कि इससे भारी वाहन और अतिरिक्त यात्री को सुविधा मिलेगी, इसके साथ ही बढ़नी जिसे नेपाल में कृष्णानगर से भी जाना जाता है वहाँ इमिग्रेशन सें इस सेंटर नहीं होने के कारण जो असुविधा और परेशानी लोगों को झेलनी पड़ रही है उसको ध्यान में रखकर सांसद ने वहाँ एक इमीग्रेशन सेंटर भी खोलने का अनुरोध किया। जिससे टूरिज़्म की तो बढ़ोतरी होगी ही साथ ही बुद्धिस्ट सर्किट के डेवलपमेंट में भी अतुलनीय मदद मिलेगी और इसके साथ ही सांसद ने भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से इंडिया–नेपाल के रिश्ते को मजबूत करने के लिए हर संभव प्रयास करने की बात की। सांसद ने ये भी बताया कि भारत नेपाल के लिए सबसे बड़ा ट्रेड पार्टनर है, साथ ही नेपाल की दृष्टि से नेपाल का सबसे बड़ा फॉरेन डायरेक्ट इनवेस्टमेंट का सोर्स भी है। काठमांडू के अपने दौरे पर सांसद ने हर्बल मेडिसिन और फरीइट रेलवे कॉरिडोर की स्थापना की भी बात भारतीय राजदूत से किया।

जगदंबिका पाल ने अपने काठमांडू दौरे पर भारतीय राजदूत नवीन श्रीवास्तव से मुलाकात किया। सांसद ने यह भी बताया कि नेपाल और भारत के संबंध, व्यापार पर भारतीय राजदूत से

सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। सिद्धार्थ विश्वविद्यालय कपिलवस्तु में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर उपस्थित शिक्षकों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रोफेसर हरी बहादुर श्रीवास्तव ने अपनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि कहा कि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का जीवन हमें निरंतर आगे बढ़ने और देश के लिए अच्छा कार्य करने के लिए प्रेरित करता रहेगा। विपरीत परिस्थितियों में भी बड़ी सी बड़ी चुनौतियों का सामना करके सफलता प्राप्त करने वालों में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर का भी नाम अग्रणी है। अधिष्ठाता कला संकाय प्रोफेसर हरीश कुमार शर्मा ने कहा कि आर्थिक और सामाजिक बंदिशों के बावजूद स्वतंत्र भारत का के लिए संविधान की रचना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाना इस बात को प्रमाणित करता है की परिस्थितियां क्या संसाधन की कमी व्यक्ति को उपलब्धि प्राप्त करने से रोक नहीं सकती है हां इसके लिए दृढ़ इच्छाशक्ति और दिव्य साधना की आवश्यकता होती है इस दृष्टि से देखें तो सिद्धार्थ विश्वविद्यालय के शिक्षकों और यहां के विद्यार्थियों के लिए बाबासाहेब अंबेडकर का जीवन हमेशा ही प्रेरणा का स्रोत रहेगा क्योंकि यह विश्वविद्यालय अत्यंत ही पिछड़े इलाके सुदूर नेपाल भारत सीमा पर स्थित है और आकांक्षी जिला भी सिद्धार्थनगर है लेकिन शिक्षकों के सामने चुनौती है कि पिछड़े हुए क्षेत्र में आज पड़ोस के बच्चों को ना केवल अच्छी शिक्षा दें बदल उनमें शोध की प्रवृत्ति भी विकसित करने की योजना बंद रूप से कार्य करें विद्यार्थियों के लिए भी भीमराव अंबेडकर का जीवन इस ओर इंगित करता है कि आर्थिक संकट और सामाजिक बंदिश के बावजूद उस समय कितने बटड़े संस्थान से शिक्षा ग्रहण करने के बाद उसका उपयोग उन्होंने देश और राष्ट्र समाज के लिए अपना पूरा जीवन समर्पण कर मिठाला स्थापित की है। इससे पूर्व बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर कुलपति प्रोफेसर हरि बहादुर श्रीवास्तव कुलसचिव डॉ अमरेंद्र कुमार सिंह वित्त अधिकारी अजय प्रो हरीश कुमार शर्मा प्रो देवेश कुमार प्रोफेसर प्रकृति राय प्रोफेसर मंजू द्विवेदी प्रो सौरव सहित शिक्षकों ने पुष्पार्जन किया। उक्त जानकारी सूचना और जनसंपर्क अधिकारी डॉ अविनाश प्रताप सिंह ने दी है।

जनपद सिद्धार्थनगर के विकास के लिये सांसद का हर कदम– पूजा पाल

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर आईपीएस प्रवीण कुमार ट्रस्ट के द्वारा जगदंबिका पाल की बड़ी पुत्री पूजा पाल द्वारा गरीब परिवारों में बांसी विधानसभा के अंतर्गत ग्राम भगौतापुर, सतवाड़ी, डडिया में कंबल वितरण किया। और

जगदंबिका पाल की बड़ी बेटी पूजा पाल ने बताया कि जनपद सिद्धार्थनगर के विकास की लहर को सैलाब की तरह से लाने वाले आप सब के नेता जगदंबिका पाल हैं और उन्होंने बताया कि इस जनपद में आने वाले समय में सांसद द्वारा एक और नई रेलवे लाइन का निर्माण किया जा रहा है जो बांसी विधानसभा से होते हुए डुमरियागंज के रास्ते प्रदेश के कई जिलों को जोड़ेंगे और कई सड़कों का शिलान्यास कर सभी रास्तों को सांसद द्वारा बनवाया जा रहा है। पूजा पाल के साथ इस कंबल वितरण कार्यक्रम में बहरैची गुप्ता, बांसी प्रभारी प्रिंस शर्मा, बांसी प्रभारी अमरेंद्र पाल, अभिषेक सिंह, सतीश शुक्ला, मुकेश जयसवाल, संतोष यादव, रामदीन, जितेंद्र, दीपक, अयूब प्रधान, अमरेंद्र पाल, सत्यपाल चौधरी, राहुल राय आदि लोगों की उपस्थिति रही।

कूड़ा निस्तारण केंद्र का निर्माण गुणवत्तापूर्ण कराया जाय:जिलाधिकारी

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं मुख्य विकास अधिकारी जयेन्द्र कुमार की उपस्थिति में ओ0डी0एफ0 फेज–2 के अन्तर्गत चयनित ग्राम पंचायतों की समीक्षा बैठक

कलेक्ट्रेट सभागार में सम्पन्न हुई। जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा आरआरसी सेंटर (कूड़ा निस्तारण केंद्र) के निर्माण कार्य में धीमी गति के कारण कड़ी नाराजगी व्यक्त की गयी। जिलाधिकारी ने जिला पंचायत राज अधिकारी को निर्देश दिया कि आरआरसी सेंटर (कूड़ा निस्तारण केंद्र) का निर्माण समय से कराया जाये जिससे ग्राम पंचायत स्वच्छ हो तथा ग्राम पंचायत का कूड़ा यहीं एकत्रित हो। जिलाधिकारी द्वारा खाद गड्ढ़ा कम्पोस्ट पिट, नाडेप कम्पोस्ट पिट, वर्मी कम्पोस्ट, प्लास्टिक बैंक, साइकिल रिक्शा तथा ई–रिक्शा, स्वच्छता किट, एकीकृत ठोस अपशिष्ट प्रबन्धन, हैण्डपम्प मरम्मत आदि की समीक्षा किया गया। जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि ग्राम पंचायतवार फाइल बननी चाहिए जिसमें कार्ययोजना का विस्तृत विवरण होना चाहिए। आरआरसी सेंटर (कूड़ा निस्तारण केंद्र) का निर्माण गुणवत्तापूर्ण कराया जाये। यदि कार्य में कोई भी लापरवाहीधशिकायत मिलती है तो सम्बंधित के विरूद्ध कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। ग्राम पंचायत सचिव को निर्देश दिया कि सामुदायिक शौचालय समय से खुले तथा उनका लोगो द्वारा प्रयोग किया जाये।इस अवसर पर जिला पंचायत राज अधिकारी आदर्श, ग्राम पंचायत सचिवगण एवं अन्य संबन्धित अधिकारी उपस्थित थे।

जिला कांग्रेस कार्यालय पर मनाया गया परिनिर्वाण दिवस

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिला कांग्रेस कार्यालय पर संविधान के रचयिता डॉक्टर साहब भीमराव अंबेडकर का परिनिर्वाण दिवस मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता अनिल सिंह अन्नू संचालन सादिक अहमद ने किया। मुख्य वक्ताओं में देवेंद्र कुमार गुड्डू पूर्व प्रत्याशी सदर, अतहर अलीम, गुल मोहम्मद, राजन श्रीवास्तव, शादिक अहमद, अनिल सिंह अन्नू आदि ने अपने विचार रखे। अपने संबोधन में देवेंद्र कुमार गुड्डू ने कहा। आजादी के बाद देश को चलाने के लिए एक अच्छे संविधान की जरूरत थी। जिसको सर्वाधिक भाषाओं के ज्ञाता, विदेशी शिक्षा प्राप्त, बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर ने एक बेहतरीन संविधान बना कर देश को उच, नीच जाति, पाति से परे हटकर एक बेहतरीन संविधान बनाया जिसके तहत आज देश सभी देशों में भारतीय संविधान के नाते सराहा जाता है। अनिल सिंह अन्नू ने कहा बाबासाहेब आंबेडकर ने हमेशा दबे कुचले असहाय के सहयोग के लिए आवाज उठाई, और उन्होंने ऐसा संविधान बनाया। उन्होंने राष्ट्र निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान दिया। उन्होंने अपने उम्र के लगभग 65 सालों में ऊंच–नीच, छुआछूत, दलित उत्थान के लिए अनेकों नेक कार्य कर के देश की ऊंचाइयों का पैमाना खड़ा किया। कांग्रेस के आजादी के योग दान के बाद, सभी जाति संप्रदाय के लिए अच्छा संविधान बना कर देश को गतिशील किया। उसी आधार पर हम प्रगतिशील देशों में हम आगे बढ़ रहे हैं। इस अवसर पर अतहर अलीम, सुदामा प्रसाद, राजन श्रीवास्तव, सादिक अहमद, होरीलाल, जाफर अली, संतोष चौधरी, देवेंद्र कुमार, अकरम अली सिद्दीकी, डॉ प्रमोद कुमार, इम्तियाज अहमद, शौकत अली, डॉ अजय गुप्ता, आदि की मौजूदगी रही।

सडक दुर्घटना में कार चालक की मौत

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी/सिद्धार्थनगर। शिवनगर डिंडई थाना क्षेत्र अंतर्गत एनएच–28 के बगल असनहरा शिवालय के दक्षिण स्थित एनएच पर बने पुल के पास ट्रक व कार की आमने–सामने से हुई टक्कर में लगभग 21 वर्षीय कार चालक की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। घटना मंगलवार सुबह 07.00 बजे की बताई जा रही है। युवक की पहचान बस्ती जिला अंतर्गत गौर थाना क्षेत्र के अर्जुन बीरो गॉव निवासी महेश यादव के पुत्र अभिषेक यादव के रुप में हुई। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह कार चालक युवक अभिषेक यादव कार संख्या यूपी–51 बीएड 0973 द्वारा बांसी की ओर से बस्ती की तरफ जा रहा था। बताया जाता है कि उसकी कार अभी पुल उपरोक्त से थोड़ा आगे पहुची ही थी कि सामने से आ रहे ट्रक से कार की भिडंत हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। सूचना पाकर मयफोर्स मौके पर पहुंचे इंसपेक्टर ज्ञानेंद्र कुमार राय ने ड्राइविंग सीट व स्टेयरिंग के बीच फंसी कार चालक की डेड बाडी को बडी मुश्किल से बाहर निकलवाया। इस बावत इंस्पेक्टर ज्ञानेंद्र कुमार राय ने बताया कि कार चालक के शव को पीएम हेतु जिलाचिकित्सालय भेजवा दिया गया है और क्षतिग्रस्त कार को थाने लाया गया।

सम्पादकीय

गुजरात चुनाव में भाजपा का चेहरा नरेन्द्र मोदी

राम अपरिमित बल वाले, अनादि, अजन्मा, निराकार, अगोचर, इन्द्रियतीत, विज्ञान की घनमूर्ति और पृथ्वी पर अवतार हैं । एक पौराणिक प्रसंग में विश्वामित्र हनुमान से कहते हैं कि रावण ने नाटक रचा था, मुक्ति पाने के लिए । वह तो शिव जी का परम भक्त था और शिव जी ने उसे बहुत से वरदान दिए थे ...

पहली दिसम्बर को गुजरात में पहले चरण का मतदान हुआ । उस दिन देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 70 किलोमीटर का एक रोड शो किया और पांच–छरू जगह चुनावी भाषण दिया । उसी दिन उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के श्रावणश वाले प्रश्न का जवाब दिया । अब यह सभाएं टी.वी. पर लाइव दिखाई जा रही थी तो चुनाव आचार संहिता का क्या मतलब । देश की अन्य संस्थाओं की तरह चुनाव आयोग भी बंद पिंजरे का तोता है या कहें कौवा है । यह सरासर गलत है कि उस दिन किसी भी पार्टी को चुनाव प्रचार की इजाजत मिले । पर भारत में कथनी और करनी में भेद है । अब पता नहीं भाजपा और कांग्रेस राम और उनकी कथा को कितना समझती है ? भाजपा तो खुश है कि सुप्रीम कोर्ट ने उनके कार्यकाल में राम मन्दिर का फैसला सुनाया जिसे भाजपा अपनी जीत बताकर कहती है कि वह राम मन्दिर बनायेगी ? अब उन्हें कौन समझाये कि राम तो सर्वव्यापी, सर्वत्र और सभी जगह हैं । इण्डोनेशिया जैसे मुस्लिम देश में भी पूज्य हैं । भारत के सिख, जैन, बौद्ध, पारसी और मुसलमान लड़के–लड़कियां राम कथा से परिचित हैं । उन्हें एक छोटे से जनपद अयोध्या का नरेश बतलाकर क्यों कर छोटा किया जा रहा है ? राम सर्वकालिक सर्वत्र और सर्वस्व हैं । वे देश काल की सीमा से बंधे नहीं हैं । वे इण्डोनेशिया के मुस्लिम बहुल इलाकों में भी हैं जहां रामलीला खेली जाती है । पता नहीं कैसे खड़के साहब ने रावण के एक सौ सिर बता दिये और पता नहीं कैसे मोदी जी अपने को राम भक्त कह कर जवाब देते हैं ? तुलसीदास की रामचरित मानस में बतलाया गया है कि राम–रावण युद्ध तो मात्र माया का खेल

था । रामचरित मानस के आरण्य काण्ड में उल्लेख है कि जब शूर्पणखा रो– रोकर दशग्रीव को अपनी दशा बतला रही थी तो रावण ने सीता को हरने का नाटक रचा । रावण कहता है कि अब पृथ्वी में भगवान ने अवतार ले लिया है । मैं तो जाकर हठ पूर्वक उनसे बैर करूंगा ताकि उनके हाथों मारा जाकर प्रभु के वाण से भवसागर तर जाऊं । लक्ष्मण को कंदमूल लेने जाने पर राम सीता से कहते हैं कि मैं अब कुछ लीला करने वाला हूं । तुम अग्नि में निवास करो । रावण में नकली सीता का हरण किया था और उन्हें अपने महल में न रखकर एक सुरक्षित कुटिया में रखा । राम के समझाने पर सीता प्रभु के चरणों को अपने हृदय में रखकर अग्नि में समा गई । अतः रावण ने जब सीता को हरा था वह तो छाया मात्र थी । ऐसी छाया को भी रावण ने प्रणाम किया था । अरण्य काण्ड में 27ध्8 में वर्णन है कि रावण ने सीता जी के चरणों की वंदना में सुख माना । राम अपरिमित बल वाले, अनादि, अजन्मा, निराकार, अगोचर, इन्द्रियतीत, विज्ञान की घनमूर्ति और पृथ्वी पर अवतार हैं । एक पौराणिक प्रसंग में विश्वामित्र हनुमान से कहते हैं कि रावण ने नाटक रचा था, मुक्ति पाने के लिए । वह तो शिव जी का परम भक्त था और शिव जी ने उसे बहुत से वरदान दिए थे । इस कथा में साधारण मनुष्य के लिए भी संदेश है कि विपत्ति काल में विद्वानों की बुद्धि भी भ्रमित हो जाती है । रामकथा को न तो खड़के साहब समझ पाये और माफ करें न ही हमारे अपने श्रद्धेय और प्रिय नरेन्द्र भाई जी । वैसे भी हमारे प्रधानमंत्री को अब देश के साथ–साथ विदेशों में भी बड़ी जिम्मेदारी है और 1 दिसम्बर 2022 से जी –20 के अध्यक्ष हैं । विश्व मंच पर मोदी जी की प्रसिद्धि है ।

धरातल पर उतरे आंकड़े

प्राइवेट सेक्टर निवेश नहीं बढ़ रहा है और कुल मिला कर पूंजी निर्माण की दर जहां की तहां बनी हुई है, तो यही मानना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में है। इस सच को इसी रूप में स्वीकार किया जाना चाहिए। इस वित्त वर्ष की पहली तिमाही के आर्थिक आंकड़े जब जारी हुए और उसमें भारत की वृद्धि दर साढ़े 13 प्रतिशत दिखाई गई, तब भी अनेक जानकारों ने आगाह किया था कि इस पर जश्न मनाने की जरूरत नहीं है। ये आंकड़े पिछले वर्ष यानी 2021 के उन तीन महीनों की तुलना में थे, जब देश ने कोरोना महामारी की भीषण दूसरी लहर झेली थी। अब दूसरी तिमाही के आंकड़े सामने आए हैं, तो कठोर हकीकत सामने है। इस वर्ष जुलाई से सितंबर तक मैनुफैक्चरिंग और खनन में बड़ी गिरावट दर्ज हुई। कृषि क्षेत्र में तकरीबन साढ़े चार प्रतिशत की वृद्धि दिखाई गई है, लेकिन पर कुछ विशेषज्ञों ने तुरंत सवाल उठाए हैं। वजह यह है कि खुद भारत सरकार इस वर्ष कई प्रमुख फसलों का उत्पादन गिरने का अंदाजा जता चुकी है। महंगे चारे और लंपी महामारी के दुष्प्रभाव से पशुपालन क्षेत्र भी मुश्किल में बताया जाता है। लागत की महंगाई ने डेयरी क्षेत्र को परेशान कर रखा है। ऐसे में इतनी स्वस्थ वृद्धि दर कैसे हासिल हुई, इस पर कयास लगाए जा रहे हैं। तो कुल मिला कर भारतीय अर्थव्यवस्था का एकमात्र सहारा सेवा क्षेत्र में है, जिसमें अच्छी वृद्धि दर्ज हुई है। उसने सकल आर्थिक वृद्धि दर को एक हद तक संभाल लिया। लेकिन सेवा क्षेत्र के भरोसे टिके रहना किसी स्वस्थ अर्थव्यवस्था का लक्षण नहीं हो सकता। अगर प्राइवेट सेक्टर निवेश नहीं बढ़ रहा है और कुल मिला कर पूंजी निर्माण की दर जहां की तहां बनी हुई है, तो यही मानना चाहिए कि भारतीय अर्थव्यवस्था संकट में है। इस सच को स्वीकार करने के बजाय इस पर मुख्य अर्थव्यवस्था से बहुत पहले अपना नाता तोड़ चुके शेयर बाजार और वित्तीय क्षेत्र के चमकते आंकड़ों का परदा डालने की कोशिश से कुछ हासिल नहीं होगा। बेशक आज जो हालात हैं, उनके कई पहलू अंतरराष्ट्रीय हैं। लेकिन भारत के साथ विशेष स्थिति यह है कि संकट की शुरुआत वैश्विक मुश्किलों के उभरने से काफी पहले हो चुकी थी। अब ये संकट गहरा चुका है। दुर्भाग्यपूर्ण यह है कि अभी भी सरकार कुछ चमकते आंकड़ों को ढूंढने और उनके आधार पर नैरेटिव बनाने की अपनी शैली से बाहर नहीं निकल रही है।

ईरान में उम्मीद की किरण

चीन और ईरान इन दो देशों का शासन लोकतंत्र के पैमाने के मुताबिक नहीं है। लेकिन जिन देशों में लोकतंत्र है, वहां भी सरकारें अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही हैं। मीडिया के जरिए जनमानस को प्रभावित करने के खेल के साथ, पूंजी का असमान वितरण कर एक पक्ष को बेहद ताकतवर और दूसरे को बेहद कमजोर करने का खेल खुल कर खेला जा रहा है। इसके खिलाफ विरोध और असंतोष की ...

ईरान में पिछले तीन महीनों से हिजाब विरोधी प्रदर्शन महिलाएं कर रही थीं, जिसमें रविवार को उन्हें बड़ी सफलता मिली। ईरान की सरकार ने मॉरेलिटी यानी नैतिक पुलिस को खत्म करने का फैसला लिया है। गौरतलब है कि मॉरेलिटी पुलिस का काम देश में इस्लामिक ड्रेस कोड को लागू करना है। ईरान में 1983 से सभी महिलाओं के लिए सार्वजनिक रूप से अपना सिर ढंकना अनिवार्य है। दुनिया के बाकी देशों की तरह ईरान की महिलाओं को भी अपने अधिकारों और स्वतंत्रता के लिए संघर्ष का लंबा दौर देखना पड़ा है।

1979 तक जब ईरान पर शाह का नियंत्रण था, शासन की आधुनिक नीतियों के कारण महिलाओं को कई क्षेत्रों में आजादी हासिल हुई थी। उनके पास हिजाब पहनने या न पहनने का विकल्प था, 1963 में वोट देने का अधिकार उन्हें मिला और परिवार संरक्षण अधिनियम ने महिलाओं के लिए विवाह की आयु बढ़ा दी, बहुविवाह को कम कर दिया, अस्थायी विवाहों पर प्रतिबंध लगा दिए। लेकिन उसके बाद 1979 में इस्लामिक क्रांति होने के बाद से फिर से उन पर पाबंदियां बढ़ने लगीं।

हिजाब की अनिवार्यता इसका एक उदाहरण है। इसी के कारण सितंबर में 22 बरस की महसा अमीनी को हिजाब श्ठीक से नाश पहनने के आरोप में मॉरेलिटी पुलिस ने हिरासत में लिया था। जब अमीनी को हिरासत में लिया गया तो वह अपने भाई के साथ थीं। पुलिस हिरासत में ही 16 सितंबर को अमीनी की मौत हो गई थी। आरोप है कि उनकी मौत मॉरेलिटी पुलिस की प्रताड़ना के कारण हुई।

लेकिन पुलिस के मुताबिक मौत का कारण दिल का दौरा था। कारण जो भी हो, सच तो ये है कि एक 22 साल की निर्दोष लड़की को धर्म के ठेकेदारों ने प्रताड़ित किया। अमीनी की मौत के तीन दिन के बाद बड़ी तादाद में ईरानी महिलाएं सड़कों पर उतर आईं और तब से ईरान में देशव्यापी प्रदर्शन चल रहा है। सरकार प्रदर्शनकारियों के दमन में लगी हुई है। सैकड़ों लोगों की मौत विरोध प्रदर्शन के दौरान हो चुकी है। ईरान की महिलाओं के समर्थन में वहां के नामी–गिरामी लोग भी सामने आ रहे हैं। कतर में चल रहे फीफा मुकाबले में ईरान की टीम ने राष्ट्रगान के वक्त जिस तरह चुप्पी साध ली थी, वो इसका ज्वलंत उदाहरण है। ईरान की सरकार ने हिजाबविरोधी आंदोलन को दबाने की भरपूर कोशिश की। लेकिन अंततरू उसे मॉरेलिटी पुलिस को खत्म करने का ऐलान करना पड़ा। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद जाफर मोंतजरी ने इस बारे में कहा कि नैतिक पुलिस को दूर रखने के साथ ही वे उस कानून की समीक्षा करेंगे, जिसमें सभी महिलाओं को अपने सिर को ढंकने की जरूरत होती है। संसद और अदालत दोनों ही इस पर काम कर रहे हैं। पिछले बुधवार को एक समीक्षा दल ने इस विषय पर चर्चा करने के लिए संसद के सांस्कृतिक आयोग से मुलाकात की थी।

मॉरेलिटी पुलिस को खत्म करने की घोषणा एक बड़ी सफलता नजर आ रही है, लेकिन अभी इसमें कई किंतु–परंतु जुड़े हुए हैं, जिनके परिप्रेक्ष्य में ही हालात की समीक्षा करना उचित होगा। जैसे मोरैलिटी पुलिस ईरान पुलिस के अंतर्गत आती है। और ईरान में पुलिस और सेना दोनों गृह मंत्रालय के अंतर्गत होते हैं, न कि न्यायपालिका के तहत। ऐसे में अटार्नी जनरल के बयान का कितना वजन रहेगा, ये देखने वाली बात होगी। मॉरेलिटी पुलिस अगर न भी हुई, तो क्या इस्लामिक ड्रेस कोड हट जाएगा, ये भी एक बड़ा सवाल है। अभी ये भी नहीं पता है कि मॉरेलिटी पुलिस को अस्थायी तौर पर खत्म किया गया है, या फिर हमेशा के लिए ईरान की महिलाओं को इससे मुक्तिमिल गई है।

क्योंकि अब तक सफेद और हरे रंग की वैन से चलने वाले मॉरेलिटी पुलिस कर्मी कहीं भी उतर कर महिलाओं को हिजाब ठीक करने कहते थे। कई बार डंडों से पिटाई भी कर देते थे। वैसे मॉरेलिटी पुलिस की समाप्ति की घोषणा को फिलहाल महिला स्वतंत्रता और अधिकारों के लिए एक उम्मीद की किरण माना जा सकता है। इसके साथ ही दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में किसी भी तरह की प्रताड़ना, अन्याय, अत्याचार के खिलाफ लड़ने का हौसला भी इससे मिलता है। अभी पिछले सप्ताह ही चीन में कोविड नियमों की कड़ाई और लॉकडाउन के खिलाफ जनता ने सारे खतरे उठाकर आवाज उठाई। जबकि चीन में सत्ता विरोधी होने का परिणाम अक्सर मौत के दरवाजे पर ही मिलता है। वहां सूचना के अधिकारों पर भी सरकारी पाबंदी है, जिस वजह से सही खबरें बाहर तक मुश्किल से आ पाती हैं। फिर भी दुनिया ने ये देख ही लिया कि कैसे चीन में लोगों ने सरकारी उत्पीड़न के खिलाफ विरोध किया। ईरान में पिछले तीन महीनों से एक बड़ा आंदोलन चला ही है और आसार यही लग रहे हैं कि मॉरेलिटी पुलिस की समाप्ति के बाद भी ये आंदोलन आसानी से खत्म नहीं होगा। क्योंकि महिलाओं ने एकजुटता के साथ संघर्ष की ताकत को पहचान लिया है। चीन और ईरान इन दो देशों का शासन लोकतंत्र के पैमाने के मुताबिक नहीं है। लेकिन जिन देशों में लोकतंत्र है, वहां भी सरकारें अपनी शक्ति का दुरुपयोग कर रही हैं। मीडिया के जरिए जनमानस को प्रभावित करने के खेल के साथ, पूंजी का असमान वितरण कर एक पक्ष को बेहद ताकतवर और दूसरे को बेहद कमजोर करने का खेल खुल कर खेला जा रहा है। इसके खिलाफ विरोध और असंतोष की आवाजों को या तो अनसुना किया जा रहा है, या फिर विरोध करने वालों को सत्ता के जोर से दबाया जा रहा है। दमन के शिकार ऐसे लोग अभी संगठित नहीं हुए हैं, अपने–अपने संघर्षों में उलझे ये लोग बिखरा हुआ विरोध कर रहे हैं। मगर जब इनमें एकजुटता हो जाएगी तो चीन और ईरान जैसे कई और उदाहरण दुनिया में देखने मिल सकते हैं, जहां सत्ताओं को मनमानी की सजा अवाम सुनाएगी।

राहुल गांधी की इस यात्रा ने उन सभी सवालों और मुद्दों को जिंदा कर दिया जिसे सरकार ने बड़ी मेहनत से दफन कर दिया था। आज लोग दोबारा रोटी कपड़ा–मकान–महंगाई और रोजगार जैसे बुनियादी सवालों पर बात करने लगे हैं। लोगों को दिख रहा है कि सरकार जनता से ज्यादा उद्योगपतियों की सेवा कर रही है। सरकार को भी अब यह समझना चाहिए कि इस यात्रा के दूरगामी परिणाम बहुत गहरे ...

भारत जोड़ो यात्रा : देश में वैचारिक राजनीति की नई शुरुआत!

राजा पटेरिया

राहुल गांधी के नेतृत्व में चल रही भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने का अवसर मिला, यात्रा में शामिल होकर एक लंबे समय के बाद जीवंतता का भाव मन में आया, लगा कि राजनीति में भूख गरीबी बेरोजगारी शिक्षा स्वास्थ्य, साम्प्रदायिक सौहार्द, राष्ट्रीय एकता जैसे मुद्दे अभी भी बाकी है। क्योंकि, समाजवादी आंदोलन के दम तोड़ते ही यह मुद्दे कहीं नेपत्थ में चले गए थे। इनके स्थान पर जनता को भ्रमित करने वाले मामले अपनी जड़ें जमा चुके थे। बीजेपी नीत एनडीए की वर्तमान नरेंद्र मोदी सरकार हो या पूर्व की वाजपेयी सरकार, सभी जनता को भ्रमित कर शासन करती रही है। अंग्रेजों ने श्बांटो और राज करोश की नीति पर काम किया तो बीजेपी की सरकार श्भटकाओ और राज करोश की नीति पर काम कर रही है। यानी जनता का ध्यान असल मुद्दों से भटका दो तो शासन करना आसान हो जाता है। आज हम सभी जानते है कि देश में बेरोजगारी 50 साल के उच्चतम स्तर पर है। महंगाई 20 साल के शीर्ष पर है। पेट्रोल 100 रूपए और रसोई गैस 1100 रूपए में बिक रही है। आटा, दाल, चावल, फल, सब्जी जैसी बुनियादी चीजें भी गरीब तो छोड़ो मध्यवर्ग की पहुंच से बाहर हो रहीं है। गरीबी के हालात यह है कि सरकार खुद कहती है कि वो देश के 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन बांट रही है। दूसरे शब्दों में कहें तो सवा सौ करोड़ की आबादी में से 80 करोड़ लोगों को खाने तक के लाले पड़े हैं। यदि सरकारी सहायता नहीं मिली तो देश में भुखमरी फैल जाएगी। देश में धार्मिक सद्भाव और सहिष्णुता के बारे में बोलने की आवश्यकता नहीं हैं। उसकी क्या स्थिति है हम सभी जानते हैं। दूसरी और देश में खरबपति लोगों की संख्या लगातार बढ़ रही है। हमारे उद्योगपति गौतम अडानी दुनिया के तीसरे सबसे रईस आदमी बन चुके हैं। मुकेश अंबानी पहले ही दुनिया के शीर्ष दस रईसों में शामिल है। अब अडानी भी आ गए हैं। दुनिया के सौ शीर्ष रईसों में राधाकृष्ण दमानी का नाम भी आ गया है। लेकिन, हैरानी है कि इतनी विषम परिस्थितियों में भी कोई जनांदोलन नहीं छिड़ा! जनता सड़कों पर नहीं उतरी, कोई प्रदर्शन नहीं हुआ। डॉ राममनोहर लोहिया कहते थे कि जब सड़कें सूनी हो जाएं तो संसद आवारा हो जाती है। वो शायद सही कहते थे। पूंजीपतियों ने संसद को आवारा बना दिया। सरकार और उद्योग घरानों के गठजोड़ हमेशा ही चर्चा का विषय रहें हैं, मुझे यह कहने में कोई संकोच नहीं कि हर राजनीतिक दल के अपने उद्योगपति होते है। लेकिन, इस देश में उद्योगपतियों का केवल एक ही राजनीतिक दल है और वो है बीजेपी। यह बिलकुल ऐसा है कि जैसे दुनिया में हर एक देश के पास अपनी फौज होती है। लेकिन, पूरी दुनिया में फौज के पास अपना केवल एक देश है और वो पाकिस्तान है। यहां फौज ही सर्वेसर्वा है, वो अपनी मर्जी से लोकतंत्र चलाती है, अपनी मर्जी से चुनाव करवाती है और अपनी मर्जी का प्रधानमंत्री बनाकर बिठाती है, जैसे अभी इमरान खान चुनाव जीते थे लेकिन उन्हें हटाकर प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ बन दिए गए। बिलकुल ऐसा ही बीजेपी में है। यहां भी कॉर्पोरेट घरानों की पसंद से नेता चुने जाते हैं और वह उस समय तक नेता रह सकता है जब तक कॉर्पोरेट घरानों की कृपा उन पर है। उनकी मर्जी के बिना किसी राज्य में कोई दूसरी पार्टी चुनाव जीत जाए तो पैसे के बल पर निर्वाचित सरकार गिरा दी जाती है और बीजेपी की सरकार बनवा दी जाती है। भारत जोड़ो यात्रा बीजेपी और पूंजीपतियों के इस खेल को उजागर करने का काम कर रही है। यह बताती है कि सरकार की प्राथमिकता देश की गरीबी और बेरोजगारी कम करना नहीं बल्कि अमीरी बढ़ाना है। यह चंद पूंजीपतियों द्वारा पूंजीपतियों के लिए चलाई जा रही सरकार है, जो गरीब और मध्यवर्ग को लूटकर अमीरों को और अमीर बनाने का काम कर रही है, और गरीब तथा मध्यवर्ग इस लूट का विरोध ना करें इसके लिए उसे हिंदू–मुसलमान, मंदिर–मस्जिद, पाकिस्तान जैसे फिजूल के मामलों में उलझा कर रखा जा रहा है। राहुल गांधी की यात्रा को लेकर बीजेपी आरोप लगा रही है कि वे मंदिर, मस्जिद समेत सारे धार्मिक स्थलों पर धोक दे रहे हैं। लेकिन, इसमें गलत भी क्या है! आज देश जिस हालत में पहुंच चुका है उसके लिए धर्मस्थलों पर धोक देना कहां से गलत है! मरणासन्न की स्थिति में पहुंचे किसी बीमार बच्चे की मां अपने बच्चे की रक्षा के लिए हर चौखट पर शीश झुकाती है। फिर वो मंदिर हो, मस्जिद हो, गुरुद्वारा हो या फिर पीर–फकीर या साधु–संत का दर हो! उसकी मंशा किसी तरह बच्चे को बचाने की होती है और आज राहुल गांधी बीमार देश के लिए उसी मां की भूमिका में हैं। बीजेपी ने देश को जिस हालत में ला दिया है, समझा जा सकता है कि भविष्य किस तरह का होगा। ऐसी ही एक यात्रा की आवश्यकता मध्यप्रदेश और खासकर बुंदेलखंड को भी है। यहां भी पूंजीपतियों ने छतरपुर के बक्सवाहा में क्या किया यह किसी से छिपा नहीं है। हीरा उत्खनन के लिए यहां 2.15 लाख पेड़ काटे जा रहे हैं। एक ओर तो ग्लोबल वार्मिंग से निपटने के लिए जंगलों के संरक्षण की बात की जाती है दूसरी और आर्थिक हितों के लिए हजारों हेक्टेयर के प्राकृतिक जंगल का नाश करने में सरकार को कोई आपत्ति नहीं हैं। सरकार से जुड़े खनन माफिया पहाड़ काट रहें हैं, नर्मदा समेत दूसरी नदियों से अवैध रेत उत्खनन की खबरें आम हो चली हैं। बुंदेलखंड में गरीबों के मवेशियों के लिए आरक्षित चरनोई की जमीनों पर कब्जे हो रहे हैं। लेकिन, सरकार का ध्यान इस ओर नहीं है। क्योंकि, सरकार से जुड़े व्यापारी और उद्योगपतियों को इससे फायदा है। बीजेपी के बीस साल के शासन में आज प्रदेश किन हालातों में पहुंच चुका है, यह किसी से छिपा नहीं है, फिर भी हम हालातों से लडने की बजाए उन से समझौता करना सीख गए हैं। बीजेपी नेताओं का चरित्र ऐसा है कि हर आलोचना में उन्हे अपना विरोध दिखाई देता है। उन्हे लगता है कि उनकी योग्यता और अहमियत पर सवाल उठ रहे हैं। भूख, गरीबी और बेरोजगारी में उन्हें साजिश नजर आती है और अपनी नाकामियों से परदा उठता दिखता है। इसीलिए वो हर संभव प्रयास करते हैं कि रोजगार, भूख और गरीबी जैसे मूलभूत सवाल अपनी आवाज खो दे। अमीरों द्वारा गरीबों की आवाज दबा दी जाती है और यहीं समता और समानता का संवैधानिक उद्देश्य अपना दम तोड़ देता है। एक देश के रूप में हमारी पहचान किसी महानायक के आगे खत्म हो जाती है। राहुल इसी गैर बराबरी और इसी जड़ता के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं।

सात गौशालाये संचालित होने के बावजूद आवारा पशुओं से किसान परेशान

आवारा पशुओं के रोड पर टहलने की वजह से रोज हो रहे एक्सीडेंट प्रशासन मौन

सांडा (सीतापुर)। बिकासखंड सकरन में सात गौशाला संचालित होने के बावजूद आवारा पशुओं से किसान परेसान हैं लेकिन प्रशासन इसकी कोई व्यवस्था नहीं कर रहा है। जबकि किसान कितनी मेहनत करके फसल तैयार करता है लेकिन घूम रहे आवारा पशु क्षण मात्र में फसल बर्बाद कर देते हैं और किसान हाथ मलता हुआ रह जाता है।

आवारा पशुओं से किसानों की फसले तो बर्बाद होती ही है। इसके साथ –साथ रोड पर घूम रहे आवारा पशुओं की वजह से आये दिन एक्सीडेंड भी हो रहे है। लेकिन ब्लॉक पर बैठे अधिकारियों द्वारा अभी तक ऐसी कोई व्यवस्था नहीं की गई। जिससे किसानों की फसलें बर्बाद कर रहे आवारा पशुओं से निजात मिल सके। जबकि ब्लॉक अस्तर पर बैठे अधिकारी अगर चाहें तो जो सात गौशाला संचालित है। उसी में तीस–तीस गोवंश सिफ्ट करके सकरन ब्लाक क्षेत्र के किसानों और आए दिन हो रहे रोड पर आवारा पशुओं की वजह से एक्सीडेंट से निजात दिलवा सकते हैं। लेकिन ब्लॉक पर बैठे हुए अधिकारी सब कुछ जानते हुए अंजान बने हुए है। जबकि योगी सरकार का फरमान था कि प्रशासन द्वारा आवारा पशुओं की जल्द से जल्द व्यवस्था की जाए लेकिन प्रशासन द्वारा अभी तक कोई व्यवस्था नहीं की गई। जबकि ब्लॉक के गेट के सामने ही आवारा पशु एकत्रित होकर तांडव करते है और ब्लॉक परिसर में आने वालों के लिए खतरा बना रहता है। लेकिन ब्लॉक पर बैठे अधिकारी चाहे खंड विकास अधिकारी हो या सहायक विकास अधिकारी हो सब कुछ जानते हुए अंजान बने हुए हैं। अब देखना यह है कि आवारा पशुओं की वजह से बर्बाद हो रही किसानों की फसलें व आए दिन रोड पर हो रहे एक्सीडेंट का प्रशासन संज्ञान लेकर आवारा पशुओं की कोई व्यवस्था करता है या मामले को यूंही ठंडे बस्ते में डाल देता है यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

विशेष गायत्री यज्ञ के साथ प्रांतीय कवि सम्मेलन का आयोजन

सीतापुर। गत दिवस संस्कार भारती सीतापुर इकाई के तत्वाधान में ग्राम देवपारा में विशेष गायत्री यज्ञ के आयोजन के साथ साथ आचार्य शिव प्रकाश अवस्थी के संयोजन में एक प्रांतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसकी अध्यक्षता पंडित शंभू दयाल अवस्थी ने की। सरस्वती वंदना करने के उपरांत कवयित्री छाया त्यागी ने कहा आज तो पर्व है धाम के धाम पर, शीश गर्वित करें राम के काम पर। संचालन करते हुए कमलेश मौर्य मृदु ने कहा, राम को बेर हम तो खिलाते रहे किंतु खाने में खुद सकुचाते रहे। बाराबंकी से पधारी हुई लता श्रीवास्तव ने कहा, समूचे विश्व में भारत का ऊंचा नाम हो जाए सभी अगर बेटी रहे सीता व बेटा राम हो जाए। कवि अम्बर ने कहा, छिपा है सत्य पथ अब तक अंधेरा घोर छाया है, भटकता मन करे नर्तन मचाती मोह माया है। अतन शुक्ला ने एक शिक्षाप्रद कहानी प्रस्तुत की। डॉक्टर सतीश वर्मा ने कहा तुम अद्वैत अनादि प्रभु, तुम से बड़ा न कोय, रचना सब संसार की तव इच्छा से होय। आचार्य अवस्थी ने कहा, न इतरा कृष्ण प्रभु की किशन बल हीन हो जाते, समय बलवान होता है मुरारी दीन हो जाते। राजकुमार तिवारी ने कहा अमृत उत्सव आजादी का नई उमंगे लाया है। अभिनंदन के कमल खिले हैं मंगलमय दिन आया है। बाल गोविंद द्विवेदी ने कहा, बच्चा हमका न रोको अबहिं घर मा, नाम रोशन करिब हम शहर भर मा। रजनीश मिश्र ने कहा बहादुर सैनिकों के शौर्य पर उंगली उठाते जो, बदलाव हो गया है अब उनके आचरण में। अरुणेश मिश्र ने कहा, एक छींक हमारी है जो हवा में खप जाती है। एक ठीक उनकी है जो अखबारों में छप जाती है। लक्ष्मी वर्मा ने कहा, दूषित नजरों से जो देखें उसका अब प्रतिकार करो, उठो बेटियों खड़ग संभालो दुष्टों का संहार करो। उपरोक्त कार्यक्रम का हरिओम, राधा, गीतांजलि व कान्हा सहित अनेक ग्राम वासियों ने देर रात तक आनंद उठाया।

किसी भी कीमत पर शिक्षक का शोषण बर्दाश्त नहीं

सीतापुर। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ एकजुट की प्रदेश कार्यकारिणी के नेतृत्व में जिला विद्यालय निरीक्षक कार्यालय का धरना आयोजित किया गया। जिसमें आदर्श उच्च माध्यमिक विद्यालय पर सेहरा माल सीतापुर के संस्कृत विषय के अध्यापक का मानसिक, आर्थिक शोषण करते हुए गलत तरीके से निलंबन कर दिया गया। जिसके लिए प्रदेश भर से शिक्षक इस व्यवस्था को खत्म करने और शिक्षक के बहाली हेतु लड़ाई लड़ने के लिए संकल्पित है। प्रदेश अध्यक्ष सोहन लाल वर्मा ने कहा कि शिक्षक राकेश कुमार का निलंबन असंवैधानिक तरीके से किया गया है। उनकी बहाली हर हाल में होनी चाहिए। अन्यथा हम लोग प्रदेश स्तर पर आंदोलन को मजबूर होंगे। प्रदेशीय महामंत्री राजीव यादव ने अपनी बात रखते हुए कहा कि अधिकारी भी नौकरी करते हैं उन्हें शिक्षकों की समस्याओं के समाधान के लिए लगाया गया है। उन्हें किसी भी हाल में प्रबंधक के प्रतिनिधि के तौर पर कार्य नहीं करना चाहिए। प्रदेश भर में आए दिन ऐसी घटनाएं खुलेआम हो रही है। लेकिन संगठन चुप नहीं बैठेगा नियम कानून के दायरे में हम संघर्ष करेंगे और अपना हक लेकर ही रहेंगे। प्रदेश प्रवक्ता श्रवण कुमार कुशवाहा ने कहा आयोग द्वारा चयनित, न्यायालय द्वारा निर्देशित और किसी भी अपराध में वांछित ना होने के बावजूद भी एक शिक्षक से अपराधी जैसा बर्ताव प्रबंधकों एवं अधिकारियों की मिलीभगत से हो रहा है। ऐसी व्यवस्थाओं को निश्चित रूप से संगठन खत्म करने के लिए संकल्पित है। प्रदेश उपाध्यक्ष उपेंद्र वर्मा ने अपनी बात रखते हुए कहा कि शिक्षक को किसी भी सूरत में निराश नहीं होना चाहिए। संगठन हर हाल में उनके साथ हैं और किसी भी अधिकारी या प्रबंधक को उसकी गलत नीतियों के लिए सबक सिखाने और अपना हक लेने के लिए सक्षम है। अगर जरूरत पड़ी तो आमरण अनशन पर संगठन बैठेगा। सड़क से संसद तक संघर्ष किया जाएगा।

धरने में प्रदेशभर से तमाम जनपदों से सैकड़ों शिक्षक ने प्रतिभाग कियाः निलंबित शिक्षक को न्याय दिलाने के लिए और समर्थन में अंबिका प्रसाद, सुरेश प्रताप सिंह, सुधाकर ज्ञानार्थी, तीर्थराज पटेल, जयराम यादव, बिरजू सरोज, अशोक मौर्य, ओम प्रकाश शर्मा, सुरेश कुमार, संदीप शुक्ल, संदीप पटेल, मोहम्मद मोहिउद्दीन अंसारी सहित कई लोगों ने अपनी बात रखी। कार्यक्रम का आयोजन जिलाध्यक्ष राजकमल कनौजिया और जिला मंत्री ताराचंद पटेल संरक्षक डॉ बृजेन्द्र कुमार के सहयोग से किया गया। इस कार्यक्रम में अनिल वर्मा, रामकिशोर, रामबाबू, अम्बिका प्रसाद, विकास कुमार, ज्ञानदास वर्मा, मनु लाल शास्त्री, जनार्दन कुमार, सत्यपाल वर्मा, पूर्व शिक्षक एमएलसी प्रत्याशी शाह आलम खान अटेवा, जिला संयोजक अवनीश चंद्र, डॉ सुनील कुमार तथा विजय बहादुर यादव आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे।

एसपी ने थाना बिसवां का किया औचक निरीक्षण

बिसवां नगर (सीतापुर)। पुलिस अधीक्षक घुले सुशील चन्द्रभान द्वारा थाना बिसवां का औचक निरीक्षण किया गया। इस दौरान महिला हेल्प डेस्क, थाना कार्यालय, मालखाना, कम्प्यूटर कार्यालय के साथ–साथ सम्पूर्ण परिसर को चेक किया गया। महिला हेल्पडेस्क पर मौजूद महिला पुलिसकर्मी से हेल्पडेस्क पर मिलने वाले प्रार्थना पत्रों के निस्तारण व उनके फीडबैक के सम्बन्ध में पूछताछ की गयी। तत्पश्चात थाना कार्यालय के अभिलेखों को चेक कर उनके बेहतर रख–रखाव व उनको अद्यावधिक रखने, मालखाने को चेक कर उसमें दाखिल माल के निस्तारण एवं कार्यलाय सहित पूरे परिसर में उच्च स्तर की साफ–सफाई हेतु सम्बन्धित को आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये।

बीआरसी एकाउंटेंट का हुआ विदाई समारोह

परसेण्डी (सीतापुर)। ब्रजेश कुशवाहा अकाउंटेंट बीआरसी परसेंडी का स्थानान्तरण बिसवां हो जाने पर आज बीआरसी परसेंडी में विदाई दी गई। खंड शिक्षा अधिकारी ऋषिकेश सिंह, नवीन श्रीवास्तव, अध्यक्ष प्राथमिक शिक्षक संघ परसेंडी द्वारा अंग वस्त्र मलायरापन कर विदाई दी गई। कार्यक्रम में एआरपी राजेश गुप्ता, केशव कुमार, आशीष सिंह, पंकज, पुरिंदर, खुस्तेर रहमान, सुरेंद्र पाल, अनीस, आदि शिक्षक साथी उपस्थिति थे।

विहिप कार्यकर्ताओं ने किया चौतन्य सिंह राजपूत का भव्य स्वागत

सीतापुर। मंदशौर मध्य प्रदेश से चौतन्य सिंह राजपूत का विहिप कार्यकर्ताओं ने कार्यालय पर भव्य स्वागत किया। आपको बताते चलें कि मंदशौर मध्यप्रदेश में पिछले 6 माह पूर्व शेख जफर कुरैशी ने हिंदू सनातन धर्म में घर वापसी किया था। उन्होंने कहा कि अब मैं हिंदू हूं। वैदिक मंत्रों उच्चारण के बीच घर वापसी में महा मंडलेश्वर चिदंबरानंद भी उपस्थित रहे। बताते चले कि चौतन्य का सीतापुर आने का मकसद अपने मित्र संदीप हिंदू की बहन की शादी में भाग लेने का था। उन्होंने नैमिष में चकारतीर्थ पर आचमन कर माता ललिता देवी के दर्शन किए उसके बाद देव देवेश्वर, रुद्रावर्त, हनुमान गढ़ी में दर्शन किया फिर अंत में मां ललिता देवी आश्रम में माथा टेका। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म सबसे सर्वोच्च धर्म है, जिसमे कट्टरता नहीं सिखाई जाती है, हिंदू धर्म में सेवा सुरक्षा संस्कार की भावना सिखाई जाती है। उनके साथ सतीश वैष्णव भी रहे। उन्होंने सीतापुर में उन्होंने प्रांत संयोजक उत्तम, नगर अध्यक्ष प्रमोद, जिला उपाध्यक्ष अभिनव मिश्रा, जिला धर्माचार्य संपर्क प्रमुख त्रिपुरेश, संदीप सिंह चौहान, राजेश शुक्ला, कामेश शुक्ला, महंत आशीष शास्त्री, महंत बलराम शास्त्री, सचिन मिश्रा, अंकुर वर्मा, राजू रस्तोगी, जसमीत सरदार, साहिल ठाकुर, कामेश सिंह, राहुल सिंह, अनुज धनगर, रितेश सिंह, नितिन वर्मा सहित सैकड़ों से मुलाकात की।

मेडीकल कालेज के स्टूडेंट की खुदकुशी के मामले में प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग को लेकर हंगामा

फिरोजाबाद । मेडिकल कालेज में एम बी बी एस प्रथम बर्ष के छात्र की खुदकुशी के मामले में प्राचार्या समेत पांच जिम्मेदार लोगों पर एफआईआर दर्ज होने के बाद भी अन्य छात्रों का गुस्सा थमने का नाम नही ले रहा है.फिर सभी छात्रों ने मेडिकल प्रिंसिपल के खिलाफ जमकर प्रदर्शन किया.प्रिंसिपल की गिरफ्तारी की मांग की साथ नारेबाजी कर कहा कि यह कालेज नही जेल है,आवाज उठाने वाला फेल है आपको बता दें कि शनिवार को फिरोजाबाद के स्वशासी मेडिकल कालेज में एम बी बी एस की पढ़ाई कर रहे छात्र शीलेन्द्र निवासी कौशल्या नगर थाना उत्तर का शव मेडीकल कालेज के ही कैम्पस के हॉस्टल में फांसी के फंदे पर लटका मिला था.दरबाजा अंदर से बंद होने की बजह से इसे खुदकुशी माना जा रहा है.इस घटना से उत्तेजित अन्य स्टूडेंट्स ने जमकर हंगामा किया और हाइवे को जाम भी किया था.परिजनों और अन्य साथियों का आरोप था कि मेडिकल कालेज में छात्रों का उत्पीड़न होता है.ऐसा ही कुछ शीलेन्द्र के साथ हुआ जिससे परेशान होकर छात्र ने खुदकुशी की है.शीलेन्द्र का पेपर भी था लेकिन परीक्षा देने की बजाय उसने खुदकुशी कर ली. इस मामले की गूंज शासन तक भी पहुंच गयी है.छात्रों के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए इस मामले में शनिवार की देर रात परिजनों की तहरीर पर मेडिकल कालेज की प्राचार्या डॉ संगीता अनेजा,परीक्षा नियंत्रक गौरव सिंह,वार्डन मुनीष खन्ना, डॉक्टर नौशार हुसैन,आयुष जैन के खिलाफ धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और एससीएसटी के तहत मामला दर्ज हुआ था.इधर आरोपियों की गिरफ्तारी न होने से छात्रों में गुस्सा है. उन्होंने कालेज कैम्पस में प्रदर्शन किया.उनके हाथों में तख्तियां थी जिनपर प्राचार्या की गिरफ्तारी की मांग लिखी थी. छात्र यह भी नारे लगा रहे थे कि यह कालेज नही जेल है,बोलने वाला फेल है.

त्योहारों के मद्देनजर जनपद में लागू हुयी धारा 144

फिरोजाबाद । जिला मजिस्ट्रेट रवि रंजन ने जनपद में कानून व शान्ति व्यवस्था बनाये रखने के लिए 30 जनवरी 2023 तक के लिए तत्काल प्रभाव से धारा 144 लागू करने के आदेश पारित किए है। वर्तमान समय में 23 दिसम्बर को चौ0 चरण सिंह जन्म दिवस, 25 को क्रिसमस डे, 29 को गुरू गोविन्द सिंह जयन्ती, 14 जनवरी को मकर संक्रान्ति एवं 26 को बसन्त पंचमी व आगामी स्थानीय निकाय सामान्य निकाय निर्वाचन–2022 आदि पर्व मनाए जाएगें। इन सभी अवसरों पर अवांछनीय, कट्टरपंथी अथवा असामाजिक तत्व सक्रिय होकर जनपद की लोकशान्ति एवं साम्प्रदायिक सौहार्द को प्रभावित कर सकते हैं। इस कारण जिला मजिस्ट्रेट ने दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 144 के अधीन प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए लोक प्रशान्ति एवं सार्वजनिक जनजीवन की सुरक्षा हेतु 03 दिसम्बर से 30 जनवरी 2023 तक सम्पूर्ण जनपद में धारा 144 लागू की गयी है।

इस दौरान कोई भी व्यक्ति व समूह सक्षम अधिकारी की पूर्व अनुमति प्राप्त किये बिना किसी ध्वनि विस्तारक यंत्र का प्रयोग नहीं करेगा और न ही कोई धरना, प्रदर्शन, हड़ताल व रैली अथवा आन्दोलन आदि नहीं करेगा। इस आदेश के उल्लंघन का संज्ञान जनपद में तैनात पुलिस उप निरीक्षक स्तर से अथवा उससे वरिष्ठ किसी भी पुलिस अधिकारी अथवा तहसीलदार मजिस्ट्रेट, उप जिला मजिस्ट्रेट, नगर मजिस्ट्रेट द्वारा लिया जा सकेगा और उल्लिखित अनुमतियाँ उनके द्वारा समस्त परिस्थितियों पर विचारोपरान्त नियमानुसार निर्गत की जायेंगीं। उन्होंने अपने आदेश में कहा है कि कोई भी व्यक्ति या व्यक्तियों का समूह राजनैतिक उनमाद फैलाने वाले नारेवाजी नहीं करेगा। यदि कोई इसका उल्लंघन करते पाया जाता है तो उसके विरूद्ध नियमानुसार कार्यवाही की जाएगी।

बस की टक्कर से बुजुर्ग महिला की मौत, एक घायल

कमलापुर (सीतापुर)। कमलापुर नहर चौराहे पर बस ने साईकिल सवार को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगने से महिला बड़को 60 वर्ष पत्नी भरोसे व भगौती 62 वर्ष पुत्र बदलू निवासी शिवपुरी थाना कमलापुर की हालात को नाजुक देखते हुए कमलापुर पुलिस ने समुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कसमण्डा भेजा। जहां पर इलाज के दौरान बड़को की मौत हो गई। भगौती की हालत गम्भीर देखकर डाक्टरों ने जिलास्पताल रेफर कर दिया। दोनों लोग साइकिल अपने गांव कमलापुर किसी कार्य से जा रहे थे। जानकारी के अनुसार सीतापुर डीपो की अनुबंधित बस यूपी 34 टी 9221 सीतापुर से लखनऊ जा रही थी। तभी कमलापुर थाने से 100 मीटर दूरी पर नहर चौराहे पर जोरदार टक्कर मार दी थी। थाना प्रभारी राजकरन शर्मा ने बताया बस को हिरासत में ले लिया गया है। मृतक महिला का शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

चाकू घोपकर भाई को मौत को घाट उतारा

जौनपुर। जिले के सुरेरी थाना क्षेत्र के सरायडीह गांव में . देर रात किसी बात को लेकर भाई ने भाई की चाकू घोप कर हत्या कर दिया। सूचना पर सुरे पुलिस मौके पर पहुंचकर शव का पंचनामा कराकर पोस्टमार्टम के लिए भेजकर कार्रवाई में लग गई। थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत सरायडीह में देर रात किसी बात को लेकर दो सगे भाई संजय कनौजिया व संतोष कनौजिया के बीच किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। ग्रामीणों की माने तो दोनों भाइयों में विवाद के दौरान जमकर चाकू बाजी हुई जिसमें चोटिल होने से संजय कनौजिया की मौके पर ही मौत हो गई, सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। बताते है कि दो सगे भाइयों संजय कन्नौजिया व सन्तोष कन्नौजिया किसी बात को लेकर विवाद हुआ था जिसमें संजय कन्नौजिया को गम्भीर चोट लगने से परिजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामपुर उपचार के लिए ले गए जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया।

आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर ट्रक–बस की टक्कर में दो की मौत

फिरोजाबाद । जनपद के नगला खंगर इलाके में आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे पर सुबह एक प्राइवेट बस की ट्रक से टक्कर हो गयी.हादसे में दो सवारियों को मौत हो गयी जबकि दो दर्जन यात्री घायल है जिन्हें इलाज के लिए सैफई के मेडिकल कालेज में भर्ती कराया गया है. हादसा इतना भीषण था कि बस के अगले हिस्से के परखच्चे उड़ गए.घायल यात्रियों ने बताया कि एक निजी ट्रेवल एजेंसी की बस आगरा–लखनऊ एक्सप्रेस वे के जरिये कानपुर से दिल्ली जा रही थी.बस जैसे ही फिरोजाबाद जनपद की सीमा में थाना नगला खंगर इलाके में भदान पुल के पास पहुंची तभी इसकी टक्कर एक ट्रक से हो गयी.हादसे के बाद एक्सप्रेस वे पर चीखपुकार और अफरा तफरी मच गयी. जानकारी मिलने पर यूपीडा और स्थानीय थाना पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और बस में सवार दो दर्जन से अधिक घायलों को इलाज के लिए सैफई के मेडिकल कालेज भेजा जहां डॉक्टरों ने दो यात्रियों को मृत घोषित कर दिया.हादसे में एक मृतक की शिनाख्त हो गयी है जिसका नाम गौरव शुक्ला है जो कि रायबरेली जनपद के निवासी थे.एक अन्य मृतक की शिनाख्त नही हो सकी है.पुलिस ने दोनों के शवों को पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भिजवा दिया है.घायलों के नाम कल्पना,सोनी, अखिलेश, हरवेंद्र, प्रखर मिश्रा,रुद्र शर्मा,फरमान,नमन तिवारी, प्रेरणा त्रिपाठी, सूरज शर्मा,मधु शर्मा,सुनील कुमार,अनुभव अरोड़ा, मोहम्मद शादाब,सावित्री, रश्मि,अंकुर,राम प्रकाश,कंचन,अमित,शाज खान,छवि है जो कि अलग–अलग जगहों के रहने वाले है

नगर निकाय चुनाव को लेकर बैठक का आयोजन

मिश्रित (सीतापुर)। नगर निकाय चुनाव को लेकर आज सिधौली रोड पर स्थित ब्रज रानी गेस्ट हाउस में एक बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में नगर निकाय चुनाव प्रभारी राजीव रंजन मिश्र व नगर निकाय संयेजक अंकित शुक्ला उपसेथित रहे। आयोजित बैठक में मुख्य रुप से वार्ड प्रभारी व वार्ड संयोजक मौजूद रहे। बैठक में चुनाव प्रभारी द्वारा सभी मंडल अध्यक्षों के साथ चुनाव के संबंध में चर्चा की गई। इस अवसर पर नगर निकाय संयोजक अंकित शुक्ला, मंडल अध्यक्ष भास्कर मिश्र, मंडल अध्यक्ष कल्ली अभिषेक शुक्ला, पूर्व मंडल अध्यक्ष मनोज पांडेय, सभासद विवेक सिंह राजकिशोर विश्वकर्मा, डा. सागर आदि भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रधान संगठन के जिलाध्यक्ष के तत्वावधान में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

मिश्रित (सीतापुर)। विकासखंड मिश्रित के सभागार में आज राष्ट्रीय पंचायती राज ग्राम प्रधान संगठन उत्तर प्रदेश के जिलाध्यक्ष राकेश कुमार वर्मा के तत्वाधान में एक श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। आयोजित सभा के मुख्य अतिथि प्रदेश महासचिव डा. श्याम नरायन शुक्ला ने स्व. महावीर दत्त शर्मा की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी। इसके बाद संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा व अन्य ग्राम प्रधानों ने प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। इस मौके पर डा. श्याम नरायन शुक्ला ने कहा कि संगठन को स्व. महावीर दत्त ने राजनाथ सिंह मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश के द्वारा पंचायत व प्रधानों के हित में एक शासनादेश जारी कराया था। जिसमें प्रधानों को लाइसेंस देने, जांच संबंधी शासनादेश सहित 14 कार्यक्रम आज भी प्रभावित हैं। पंचायत हित में स्व. राजीव गांधी प्रधानमंत्री के साथ 14 दिनों तक रहकर पंचायत का संविधान बनवाया जो आज भी प्रभावित है। प्रधानों को कार्य करने के लिए रणनीति बनाई भी गई। इस मौके पर संगठन के जिलाध्यक्ष राकेश वर्मा ने कहा कि स्वर्गीय महावीर दत्त शर्मा द्वारा दिए गए कार्यों के अनुरूप हम प्रधानों के साथ जुड़कर उनके हितों और अधिकारों को दिलाने के लिए हमेशा संघर्षरत हैं। इस मौके पर ज्वाइंट वीडियो सत्य प्रकाश सिंह, एपीओ मनरेगा प्रवीण कुमार सिंह, प्रधान रामकिशोर वर्मा उर्फ बड़कन्ने, अरुण मौर्य, राजन मिश्रा, राजू सिंह, महेंद्र कुमार मौर्य, अमित त्रिपाठी उर्फ भोला, महफूज, रामपाल, राधेलाल आदि सभी प्रधानों ने स्व. महावीर दत्त शर्मा की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की।

अधूरा पड़ा पंचायत भवन अपने आप में बहा रहा आँसू

साण्डा (सीतापुर)। विकासखंड सकरन की ग्राम पंचायत चिलिहा मे अधूरा पड़ा पंचायत भवन अपने आप पर आँसू बहा रहा है। जबकि पूरा पैसा पूर्व ग्राम विकास अधिकारी चिलिहा अर्पित गुप्ता द्वारा पंचायत भवन का 2021 में निकाल लिया गया। लेकिन पंचायत भवन आज भी अधूरा पड़ा हुआ है। जबकि अधूरे पड़े पंचायत भवन के संबंध में पूर्व ग्राम विकास अधिकारी अर्पित गुप्ता को भी अवगत कराया गया लेकिन ग्राम विकास अधिकारी को शासन प्रशासन का कोई डर नहीं है। इस प्रकरण के संबंध में वर्तमान ग्राम पंचायत अधिकारी अजीत कुमार यादव से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि पूर्व में चिलिहा ग्राम पंचायत में कार्यरत ग्राम विकास अधिकारी अर्पित गुप्ता द्वारा पंचायत भवन की बिल्डिंग का पूरा पैसा निकाल लिया गया है। लेकिन बिल्डिंग अधूरी पड़ी है इसके संबंध में कई बार अर्पित गुप्ता से कहा गया लेकिन उन्होंने अभी तक उस कार्य को पूरा नहीं किया जिस के संबंध में खंड विकास अधिकारी को अवगत करा दिया गया है। इस प्रकरण के संबंध में खंड विकास अधिकारी रामलगन वर्मा से जब बात की गई तो उन्होंने बताया कि ग्राम विकास अधिकारी अर्पित गुप्ता को कई बार कार्य पूरा करवाने के लिए निर्देशित किया गया लेकिन अर्पित गुप्ता द्वारा अभी तक कार्य नहीं किया गया। जिसके संबंध में ग्राम विकास अधिकारी पर कार्यवाही हेतु डीपीआरो को पत्र लिखा जा चुका है। अब देखना यह है कि ग्राम पंचायत चिलिहा में अधूरी पड़ी पंचायत भवन की बिल्डिंग का कार्य पूरा हो पाएगा या इसी तरीके से अधूरी पड़ी बिल्डिंग अपने आप में आंसू बहाती रहेगी यह तो आने वाला वक्त बताएगा।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना, अच्छे काम करने वाले बीडीओ होंगे सम्मानित

फिरोजाबाद। मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत जनपद स्तरीय समिति की बैठक मुख्य विकास अधिकारी दीक्षा जैन की अध्यक्षता में सम्पन्न हुयी। बैठक में मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना के अन्तर्गत के गत लक्ष्य 20 के सापेक्ष नगर पालिका परिषद टूण्डला द्वारा 01, नगर पालिका परिषद सिरसागंज द्वारा 01, नगर पंचायत जसराना द्वारा 01, नगर पंचायत फरिहा द्वारा 01 की प्रगति अर्जित की गई है।

इस पर मुख्य विकास अधिकारी द्वारा रोष व्यक्त करते हुए सम्बन्धित अधिशासी अधिकारियों को चेतावनी निर्गत करने करने के निर्देश दिये गये, तथा उपस्थिति उक्त अधिकारियों को लक्ष्य के अनुरूप लक्ष्य प्राप्ति के निर्देश दिये गये। इसके अतिरिक्त योजनान्तर्गत गत आवंटित लक्ष्यों से अधिक प्रगति अर्जित करने वाले तथा अच्छा करने वाले खण्ड विकास अधिकारी फिरोजाबाद, खण्ड विकास अधिकारी अरॉव, खण्ड विकास अधिकारी मदनपुर, खण्ड विकास अधिकारी जसराना, खण्ड विकास अधिकारी खैरगढ को प्रशंसा पत्र दिये जाने के निर्देश प्रदान किये गये। बैठक में उपस्थित अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि समस्त नगरीय निकाय, विकास खण्डों को नवीन लक्ष्यों को आवंटन किया जा चुका है।

समस्त अधिकारी एक सप्ताह में आवंटित लक्ष्यों के सापेक्ष कार्ययोजना बनाकर प्रस्तुत करें। इसके साथ ही मुख्य विकास अधिकारी द्वारा निर्देशित किया गया समस्त अधिकारी अपने–अपने क्षेत्र में योजना का प्रचार–प्रसार कर पात्र जोड़ों का पंजीकरण कराना सुनिश्चित करें।

बैठक में नीलम सिंह चौहान जिला समाज कल्याण अधिकारी, समस्त खण्ड विकास अधिकारी, अपर नगर आयुक्त के प्रतिनिधि, अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद, नगर पंचायत व सहायक विकास अधिकारी (स0क0) के साथ–साथ विभागीय कर्मचारी उपस्थित रहें।

स्कूली स्टेट भारोत्तोलन में प्रतिभाग करेगी 14 सदस्यीय मंडल टीम

देवरिया। सात से आठ दिसंबर तक सहारनपुर में आयोजित होने वाली स्कूली स्टेट भारोत्तोलन प्रतियोगिता के लिए गोरखपुर मंडल की टीम रवाना हुई। सदर रेलवे स्टेशन पर दोपहर में माध्यमिक स्कूलों के खेल शिक्षकों ने इन्हें बेहतर प्रदर्शन करने की शुभकामना देकर विदा किया। स्कूली स्टेट भारोत्तोलन में 14 सदस्यीय गोरखपुर मंडल टीम भी दमदारी से हिस्सा लेगी। मंडल टीम में अधिकांश खिलाड़ी जिले के ही हैं। इसका जिला व मंडल भी शहर के महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज में हुआ था। मंडल टीम में अंडर–17 महिला वर्ग में प्रसिद्धि यादव 49 किलो वर्ग, प्रज्ञा तिवारी 59 किलो वर्ग, अंडर–19 महिला वर्ग में सृष्टि मद्धेशिया 71 किलो भार वर्ग, प्रियांशी सिंह 76 किलो भार वर्ग में शामिल हैं। अंडर–17 पुरुष वर्ग में इरशाद अहमद 55 किलो भार वर्ग, प्रियांशु जायसवाल 61 किलो वर्ग, टुन्नू प्रजापति 67 किलो वर्ग, अमित कुमार शर्मा 73 किलो वर्ग, अंकुश कुमार यादव 81 किलो वर्ग, अतुल मद्धेशिया 89 किलो वर्ग में हिस्सा लेंगे। वहीं, अंडर–19 में संगम यादव 55 किलो वर्ग, हिमांशु गौड़ 61 किलो, सूरज यादव 67 किलो भार वर्ग एवं कलीम खान 89 किलो भार वर्ग में प्रतिभाग करेंगे। ये सभी खिलाड़ी स्पोर्ट्स स्टेडियम के भारोत्तोलन शिविर के खिलाड़ी हैं। इनके प्रशिक्षक रवि कुमार शर्मा ने बताया कि स्कूली स्टेट भारोत्तोलन के चयनित सभी खिलाड़ियों ने स्टेट प्रतियोगिता के लिए बेहतर तैयारी की है। जिले व मंडल में भी इन्होंने अपना दमखम दिखाया है। स्टेट प्रतियोगिता में भी वे जिले व मंडल का नाम रोशन करेंगे।

निर्माणाधीन सरयू नहर ओवरफ्लो, सैकड़ों एकड़ खेत में जलभराव

फरेंदा। सरयू नहर परियोजना के अंतर्गत निर्माणाधीन नहर रात में ओवरफ्लो हो गई। इसके पानी से किसानों की सैकड़ों एकड़ फसल जलमग्न हो गई है। किसानों ने बढ़ते जलस्तर से परेशान होकर शिकायत अधिकारियों से की। इसकी सूचना पाकर तहसीलदार ने मौके पर पहुंच कर किसानों की क्षति को लेकर नहर विभाग के अधिकारियों को समस्या से अवगत कराया। फरेंदा क्षेत्र के परसाबेनी, फरेंदा बुजुर्ग लेजार महदेवा होते हुए निर्माणाधीन सरयू नहर के किनारे की मिट्टी की खुदाई करने के कारण विभाग द्वारा पानी रोकने से नहर पूरी तरह से ओवरफ्लो होकर बहने लगी। इसके कारण कई एकड़ गेहूं की बुआई किए गए खेतों में पानी भर गया। क्षेत्र के किसान राकेश, दिनेश, मातेश्वर, निर्मल, मुरलीधर, त्रिवेनी व पल्टू आदि के खेतों में पानी भर गया है। पूर्व ग्राम प्रधान सीताराम यादव, क्षेत्र पंचायत सदस्य प्रमोद जायसवाल व रामप्रसाद आदि ने किसानों को मुआवजा दिलाने की मांग की। ग्राम प्रधान सुकांत ने बताया कि गांव के किसानों की समस्या को एसडीएम सहित राजस्व विभाग के अधिकारियों को अवगत करा दिया गया है। तहसीलदार रामअनुज त्रिपाठी ने बताया कि मौके का निरीक्षण कर विभाग को समस्या दूर करने के लिए कहा गया है। किसानों की फसल को नुकसान नहीं हुआ है।

स्टेट जीएसटी की टीम ने छह दुकानों पर मारा छापा

महराजगंज। शहर में देर शाम स्टेट जीएसटी की टीम ने छह दुकानों पर छापा मारा। जरूरी प्रपत्रों की जांच की। लगभग तीन घंटे तक कार्रवाई की गई। स्टेट जीएसटी की टीम ने दुकानदारों के खरीदारी के सापेक्ष जीएसटी जमा किया या नहीं। किस तरह से खरीदारी की, उसका जीएसटी बिल है या नहीं, इसके बारे में जानकारी जुटाई। डिप्टी कमिश्नर जीएसटी आरपी चौरसिया ने बताया कि छह दुकानों की जांच की गई है। टैक्स आदि के बारे में आकलन किया जा रहा है। रिपोर्ट तैयार होने के बाद पता चलेगा कि टैक्स चोरी हुआ है या नहीं। सभी बिंदुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है।

भारत यात्रा की सफलता को कांग्रेस कार्यकर्ता कमर कस लें

जौनपुर। भारत जोड़ो यात्रा की तैयारी को लेकर एक बैठक जिला कांग्रेस कमेटी और शहर कांग्रेस कमेटी द्वारा संयुक्त रूप से जोगियापुर स्थित जिला कांग्रेस कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक के मुख्य अतिथि प्रदेश सचिव बृजेंद्र मिश्रा ने कहा कि राहुल गाँधी की भारत जोड़ो यात्रा उत्तर प्रदेश में प्रवेश करते ही जनपद की बड़ी भागीदारी होगी प्रदेश सचिव ने कार्यकर्ताओं में जोश भरते हुए कहा कि 16 तारीख को जनपद में होने वाली भारत यात्रा को सफल बनाने के लिए कार्यकर्ता कमर कस ले, नगर निकाय चुनाव में कांग्रेस की बड़ी जीत होगी जिसका सेहरा कार्यकर्ताओं के सर पर बांधा जाएगा। संचालन शहर अध्यक्ष विशाल सिंह ने किया । तिलकधारी निषाद, डॉ0 राकेश उपाध्याय, सुरेंद्र वीर विक्रम बहादुर सिंह, राजेश गौतम, परवेज आलम भुट्टो, शशांक राय अंकित, राकेश सिंह डब्बू, पंकज सोनकर, राजकुमार गुप्ता, अजय सोनकर, राकेश मिश्रा, इश्तियाक अहमद, विनय तिवारी, कमला तिवारी, राजीव निषाद, विजय वर्मा,राहुल प्रजापति, अमिष श्रीवास्तव , लालता चौधरी, रामसिंह बाँकुरे, आदिल, फरहान जिलानी, अमित मिश्रा, आदि मौजूद रहे।

डम्फर के धक्के से बाइक सवार घायल

जौनपुर। केराकत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम उदयचन्दपुर में अपरान्ह केराकत थानागद्दी मार्ग पर वाराणसी जाते समय डम्फर से धक्का लग जाने के चलते बाइक सवार राजू यादव 31वर्ष निवासी ग्राम मसौढ़ा गिरकर बुरी तरह घायल हो गये। राजू यादव अपने घर पर आयोजित एक वैवाहिक कार्यक्रम के लिए कार्ड छपवाने के लिए वाराणसी जा रहा था। वही घायलावस्था में मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने घायल को गम्भीर अवस्था मे सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती कराया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सकों ने बेहतर उपचार हेतु वाराणसी स्थित ट्रामा सेन्टर रेफर कर दिया।

वारंट तामील कराने का पुलिस अधीक्षक को आदेश

जौनपुर। चार साल से लंबित मारपीट के मामले में गैर जमानती वारंट जारी होने के बावजूद अभियुक्त को पेश नहीं किए जाने के मामले में ग्राम न्यायालय ने पुलिस को आड़े हाथों लिया है। न्यायाधिकारी दिनेश कुमार दिवाकर ने पुलिस अधीक्षक को थाने के माध्यम से अदालत द्वारा जारी नोटिस को तामील कराने का आदेश दिया है। ताकि मुकदमे का जल्द निस्तारण हो सके। जानकारी के मुताबिक 2018 से शाहगंज थाने में धारा 323, 504 में दर्ज राज्य बनाम सुनील के एक मुकदमे में वादी संतोष उर्फ रणधीर यादव के नाम कई बार न्यायालय से सम्मन जारी किया। बावजूद इसके पुलिस न तो सम्मन तामील करा पाई और ना ही वारंटी को कोर्ट में पेश कर पाई। जिसकी वजह से मार्च 2019 में ही आरोप तय होने के बावजूद अभी तक मुकदमा लंबित है। इस मामले के जल्द निस्तारण के लिए न्यायालय ने एसपी को आदेश जारी किया है। न्यायाधिकारी ने अपने आदेश में कहा कि अगर साक्ष्य के अभाव में अभियुक्त को दोषमुक्त करार दिया जाता है तो पूरी जिम्मेदारी अभियोजन पक्ष की होगी।

जान हथेली पर लेकर पढ़ रहीं कस्तूरबा की बालिकाएं

देवरिया। कभी छात्राओं की बेहतर शिक्षा की पहचान एवं शहर की शान रहे कस्तूरबा राजकीय बालिका इंटर कॉलेज को अब अपने जीर्णोद्घार के लिए किसी भगीरथ की तलाश है। दुर्दशा का आलम यह है कि मुख्य बिल्डिंग सहित अधिकांश कक्षा भवन जर्जर हो चुके हैं। मरम्मत के अभाव में यहां पढ़ने वाली 1300 से अधिक छात्राओं की जान जोखिम में ही रहती है। जिम्मेदारों के ध्यान नहीं दिए जाने से यहां कभी भी किसी बड़ी दुर्घटना होने की आशंका बनी रहती है। प्रभारी डीआईओएस का कहना है कि अलंकार प्रोजेक्ट के तहत निर्माण कराया जाना है।

शहर के बीच में स्थित एवं 19 मई 1953 में स्थापित राजकीय कस्तूरबा बालिका इंटर कॉलेज का जर्जर भवन यहां पढ़ने वाली छात्राओं के लिए खतरे से खाली नहीं है। वर्तमान में यहां कक्षा छठवीं से लेकर इंटर तक कुल 1342 छात्राओं का नामांकन एवं विभिन्न विषयों की 19 शिक्षिकाओं की तैनाती है। पांच व्यावसायिक विषयों की एवं पांच मानदेय पर भी शिक्षिकाएं रखी गई हैं। इन्हें शिक्षक–अभिभावक संघ खाते से मानदेय दिया जाता है।

कक्षा नौ से इंटर तक तीन–तीन सेक्शन संचालित होते हैं। आठ कमरों के क्षतिग्रस्त हो जाने से अन्य सेक्शन की छात्राओं को उसी सेक्शन की दूसरी कक्षा में ही बैठाना पड़ता है। इसमें शिक्षिकाओं को अध्यापन में दिक्कतें होती हैं।

गृह विज्ञान सहित अन्य चार प्रयोगशाला कक्ष भी क्षतिग्रस्त होकर निष्प्रयोज्य घोषित किए जा चुके हैं। ऐसे में प्रयोगात्मक कार्य किसी तरह अन्य कक्षाओं में ही कराए जाते हैं। वर्तमान में 15 कक्षों में ही पढ़ाई हो रही है। एडमिशन प्रवेश परीक्षा के आधार पर होता है। कई बार तो अभिभावकों व छात्राओं को संसाधन न होने के चलते प्रवेश के लिए मना तक कर देना पड़ता है। नहीं है अपना सभागारः वर्तमान में कॉलेज के पास अपना सभागार तक नहीं है। वर्ष 2012 में पुराने सभागार की छत की दीवार टूट कर गिरने के बाद यह आज तक अपने मरम्मत की बाट जोह रहा है। हाल नहीं होने से कोई कार्यक्रम भी यहां करा पाना संभव नहीं होता। बता दें कि यहां से पढ़कर निकलीं छात्राएं मेडिकल, प्रशासनिक व न्यायिक सेवाओं में वर्तमान में नाम कमा रहीं हैं।

चिटिठ्यां दर चिटिठ्यां लिखी गईं, अब सदर विधायक से उम्मीद

जीजीआईसी की दुर्दशा को सुधारने के लिए विद्यालय स्तर से कई बार स्थानीय से लेकर प्रदेश स्तर के अधिकारियों तक गुहार लगाई जा चुकी है। वर्ष 2011 से अब तक 14 बार पत्र शासन व प्रशासन को लिखा जा चुका है। हालांकि, किसी ने कोई पहल तक नहीं की। अब यहां के जिम्मेदारों ने सदर विधायक डॉ. शलभ मणि त्रिपाठी से भी स्कूल भवनों की मरम्मत की गुहार लगाई है।

यह है अलंकार प्रोजेक्टः देवरिया। अलंकार प्रोजेक्ट के तहत विद्यालय का भवन 75 वर्ष पुराना होना चाहिए। साथ ही विद्यालय में छात्र संख्या 300 से कम नहीं होनी चाहिए। शासन योजना में जितना अनुदान देगा उतनी ही धनराशि विद्यालय को देनी होगी। पात्र विद्यालय को शिक्षण कक्ष, प्रयोगशाला, प्रशासनिक कक्ष, पुस्तकालय , वैकल्पिक कक्ष तथा चहारदीवारी निर्माण के लिए निर्धारित छात्र संख्या के अनुसार सवा करोड़ तक मिलना है।

भूमि चिह्नित पर नहीं शुरू हुआ ट्रॉमा विंग का निर्माण

देवरिया। मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर न होने से गंभीर मरीजों को इलाज की समुचित सुविधा नहीं मिल पा रही है। सेंटर के स्थापित करने के लिए भूमि चिह्नित कर ली गई है। करीब पचीस करोड़ की लागत से तीन मंजिले ट्रॉमा सेंटर परियोजना का धन आवंटित न होने से लटका है। इसके शुरू होने से मरीजों को इलाज में काफी सहूलियत होगी।

महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों के अलावा बिहार प्रांत के सीमावर्ती गांवों के लोग इलाज कराने आते हैं। गंभीर मरीजों के इलाज की सुविधा न होने से लोगों को दिक्कत होती है।

मरीजों को बेहतर सुविधा मुहैया कराने के लिए शासन ने ट्रॉमा सेंटर स्थापित करने की हरी झंडी दी। प्राचार्य डॉ. राजेश कुमार बरनवाल ने मेडिकल कॉलेज में ट्रॉमा सेंटर के लिए प्रस्ताव तैयार कराकर भेजा। इसकी स्वीकृति मिलने के बाद परिसर में मानक के अनुरूप भूमि चिह्नित कर शासन को रिपोर्ट भेज दी गई है।

ट्रॉमा सेंटर इमरजेंसी के सामने 1393 वर्ग मीटर के एरिया में स्थापित होना है। सेंटर तीन मंजिला होगा। भूमि तल के बाद प्रथम तल 1361 तथा द्वितीय तल 1172 वर्ग मीटर में होगा। यहां सोलर पॉवर जेनरेटर सिस्टम, स्ट्रीट लाइट, रेन कटर हार्वेस्टिंग, अंडर ग्राउंड सीवर की व्यवस्था होगी। यहां पर स्थापित पुराने भवन को ध्वस्त कर समतलीकरण कर दिया गया है।

अब धन का इंतजार है। इसके लिए प्रक्रिया चल रही है। जल्द धन उपलब्ध हो जाने की उम्मीद जताई जा रही है। बजट मिलते ही कार्यदायी संस्था निर्माण कार्य शुरू कर देगी। इसके बन जाने से गंभीर रूप से घायल व अन्य गंभीर मरीजों, आग से झुलसे तथा प्वाइजनिंग के गंभीर मरीजों को इलाज की सुविधा उपलब्ध होगी। उन्हें बाहर नहीं जाना पड़ेगा।

ये होंगी सुविधाएं

देवरिया। मेडिकल कॉलेज से संबद्ध जिला अस्पताल में एल–वन कटेगरी का ट्रॉमा सेंटर स्थापित होगा, जो अत्याधुनिक सुविधाओं से लैस होगा। इसमें कुल 70 बेड होंगे, जिसमें ट्रॉमा, बर्न तथा टॉक्सीकोलॉजी वार्ड होंगे। ट्रॉमा में सबसे अधिक तीस बेड, जबकि अन्य दोनों वार्डों में बीस–बीस बेड की सुविधा होगी। यहां ऑपरेशन थियेटर, माइनर ओटी, मेडिकल पाइपलाइन, ऑक्सीजन, वेंटीलेटर, इंफ्यूजन पंप, मानीटर सहित अन्य अत्याधुनिक उपकरण होंगे। बर्न वार्ड पूर्ण रूप से वातानुकूलित होगा। यहां विशेषज्ञ चिकित्सकों के अलावा दक्ष पैरा मेडिकल व स्टाफ नर्स मौजूद रहेंगी।

भाजपाईयों ने मनाई संविधान निर्माता की जयंती

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। भाजपाइयों ने नगर पंचायत उसका

बाजार के डाक बंगला पर कल डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्यतिथि मनाई भाजपा के कार्यकर्ताओं ने भीमराव अंबेडकर के मार्ग पर चलने का शपथ लिया तथा भाजपाइयो द्वारा उनकी जीवनी पर प्रकाश भी डाला। भाजपा के पूर्व जिला महामंत्री हेमंत कुमार जायसवाल ने कहा कि बाबा साहेब अंबेडकर ने अपना पूरा जीवन भारत कल्याण के लिए समर्पित कर दिया उन्होंने भारत के सामाजिक व आर्थिक तौर से पिछड़े थे उन्हे अभिशाप से मुक्ति दिलाते हुए समाज को मुख्यधारा से जोड़ा। उन्होने कहा कि देश के एक वृहद संविधान देने वाले बाबा साहब ने हमेशा से ही समाज में ऊंच–नीच गरीबी अमीरी भेदभाव को समाप्त करने के लिए काम किया साथ साथ ही समाज के उत्थान के लिए अनवारत कार्य किया और समाज राजनीति सामाजिक शैक्षिक चेतना लाने के लिए खुद को तपस्या में लगा दिया।इस अवसर पर पूर्व जिला मंत्री सुरेंद्र पाण्डेय, मंडल महामंत्री रामदरश त्रिपाठी, मंडल मंत्री सत्यम पाण्डेय, सेक्टर अध्यक्ष सुनील जायसवाल, सच्चिदानंद चौबे, राकेश आर्य, सत्यप्रकाश वर्मा, वेद अग्रहरी, सोमनाथ मिश्र, रामेश्वर पांडेय, ओंकारनाथ पांडेय, गुंजन पांडेय व समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहें।

दस में छह निकायों की कमान संभालेंगी महिलाएं

महराजगंज। जिले के 10 नगर निकायों के चुनाव के लिए अध्यक्ष पद के आरक्षण की घोषणा कर दी गई। नगर विकास विभाग की तरफ से घोषित आरक्षण सूची के मुताबिक, इस बार जिले के छह निकायों की कमान महिलाओं के हाथ में होगी। दो सीट अन्य पिछड़ा वर्ग व एक सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित है। एक सीट अनारक्षित है। आरक्षण पर यदि किसी को आपत्ति है तो वह एक सप्ताह के अंदर अपनी शिकायत दर्ज करा सकता है। जिले में कुल 11 नगर निकाय हैं। तीन नगर पालिकाओं में सिसवा नगर पालिका में चुनाव संबंधी मामला न्यायालय में विचाराधीन है। महराजगंज नगर पालिका अध्यक्ष की सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित की गई है। नौतनवां सीट महिला के लिए आरक्षित है। आठ नगर पंचायतों में पनियरा, बृजमनगंज, निचलौल, परतावल और घुघली की सीट महिला के लिए आरक्षित है। चौक बाजार व आनंदनगर नगर पंचायत की सीट अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए आरक्षित है। नगर पंचायत सोनौली की सीट अनारक्षित है। इस पर हर वर्ग के प्रत्याशी चुनाव लड़ सकते हैं।

आरक्षण की सूची जारी होते ही उतरे कई के चेहरेः जिले की दो नगर पालिकाओं व आठ नगर पंचायतों के अध्यक्ष पद के लिए आरक्षण की घोषणा के बाद कई लोगों के चेहरे उतर गए। वहीं, कई के चेहरे पर चमक आ गई। महराजगंज नगर पालिका में अध्यक्ष पद के लिए कई लोग अपनी उम्मीदवारी तय मान रहे थे, मगर जब सीट अनुसूचित जाति के लिए आरक्षण हो गई तो ऐसे लोगों को झटका लगा। अनुसूचित जाति की सीट आने का ख्वाब देख रहे प्रत्याशियों के चेहरे की रौनक बढ़ गई। इसी प्रकार, निचलौल व घुघली में भी अध्यक्ष पद के कुछ दावेदारों की ओर से किए जा रहे दावे धरे रह गए। आनंदनगर व सोनौली सीट के आरक्षण से अधिकांश लोगों में खुशी देखी गई। नवगठित निकायों में पनियरा, परतावल व बृजमनगंज में चुनाव की तैयारी में जुटे दावेदारों को अब महिलाओं के सहारे अपनी नैया पार लगाने की पहल करनी होगी।

दहेज के लिए मां–बाप के साथ मिलकर पत्नी का गला घोंटकर मार डाला

निचलौल (महराजगंज)। थाना क्षेत्र के गिरहिया गांव के टोला बंजारी पट्टी में दहेज के लिए एक युवक ने मां–बाप के साथ मिलकर अपनी पत्नी पूनम का रस्सी से गला घोंटकर हत्या कर दी। सुबह छह बजे शव को ठिकाने लगाने जा रहे थे कि पुलिस पहुंच गई। पुलिस को देखते ही सास–ससुर भाग गए, जबकि पति को गिरफ्तार कर लिया गया है। उधर, देर शाम पुलिस ने महिला के बाबा राजाराम चौधरी की तहरीर पर पूनम के पति विशाल, जेठ भोला, जेठानी राधिका, ससुर बेचई, सास द्रोपदी के खिलाफ हत्या का केस दर्ज किया है। पति के अलावा अन्य आरोपी फरार हैं। चौक थाना क्षेत्र के विजयपुर निवासी राजाराम चौधरी ने बताया कि छह वर्ष पहले उन्होंने अपनी नतिनी पूनम उर्फ नीलम चौधरी (28) का विवाह निचलौल थाना क्षेत्र के गिरहिया गांव के टोला बंजारी पट्टी निवासी विशाल उर्फ नागू चौधरी से किया था।

इस दौरान काफी दान दहेज दिया था। शादी के कुछ दिनों बाद तक पूनम ससुराल में ठीक रही। इसके बाद उसका पति मां–बाप के बहकावे में आकर दहेज के लिए प्रताड़ित करने लगा। इसकी जानकारी पूनम ने राजाराम को दी थी। इस संबंध में कई बार पंचायत भी हुई। फिर भी पूनम को उसका पति मां–बाप के साथ मिलकर मारता–पीटता था। सुबह मोबाइल फोन के जरिए राजाराम को सूचना मिली कि पूनम का पति मां–बाप के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी है। मौके पर पहुंच कर देखा तो पूनम के शरीर पर कई जगह चोट के निशान के साथ गले को रस्सी से कसा गया था। प्रभारी निरीक्षक निचलौन आनंद कुमार गुप्ता ने बताया कि पुलिस टीम फरार आरोपियों की गिरफ्तारी का प्रयास कर रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद मौत की वजह पता चल सकेगी।

सेलटैक्स की छापेमारी से बाजार हुई बंद

अनंत मिश्रा/दैनिक बुद्ध का संदेश

उसका बाजार/सिद्धार्थनगर। उसका बाजार के कस्बे में सेलटैक्स की छापेमारी के दहशत से लोग दुकान बंद कर दिए वही दिन सोमवार को सेल टैक्स ने सिद्धार्थनगर मुख्यालय पर छापेमारी की थी वही कई दुकान पर छापेमारी करने से हड़कंप मच गया कल दिन मंगलवार को सेल टैक्स से विभाग के दहशत से लोग अपनी अपनी दुकानें बंद कर दिए थे।

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया नागरिक सुरक्षा का 60वां स्थापना दिवस

कार्यालय पर फहराया गया नागरिक सुरक्षा का ध्वज

गोरखपुर। नागरिक सुरक्षा के 60वां स्थापना दिवस बड़े ही हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। कलेक्ट्रेट स्थित कार्यालय पर चीफ वार्डेन डा. संजीव गुलाटी एवं उपनियंत्रक सत्य प्रकाश सिंह द्वारा ध्वजारोहण किया गया। चीफ वार्डेन डॉ संजीव गुलाटी द्वारा पुलिस महानिदेशक मुकुल गोयल द्वारा नागरिक सुरक्षा स्थापना दिवस पर प्रेषित संदेश का वाचन किया गया।

उप नियंत्रक सत्य प्रकाश सिंह ने कहा कि नागरिक सुरक्षा राष्ट्र एवं समाज की सेवा करने का एक ऐसा मंच है, जो देश और समाज के लिए कुछ करने के लिए जज्बा पैदा करता है। उन्होंने नागरिक सुरक्षा के समस्त अधिकारियों, कार्मिकों एवं स्वयं सेवकों को बधाई दी। डा. संजीव गुलाटी ने कहा वार्डन सेवा के अन्तर्गत सर्व भूत हिते रतरू के सिद्धांत को अपने जीवन का हिस्सा मानते हुए हम सभी लोगों के जान–माल की रक्षा तथा आपदा न्यूनीकरण के प्रयास में सदैव ही सक्रिय भूमिका निभाते हैं।डा.गुलाटी ने महिला वार्डेनों की संख्या में वृद्धि पर जोर दिया। डिप्टी चीफ वार्डन डा.शरद श्रीवास्तव, सहायक उप नियंत्रक वेद प्रकाश यादव, सुरेश कुमार गुप्ता, महबूब सईद, डा. उमेश चंद्र श्रीवास्तव, ध्यान प्रकाश तिवारी, मुर्तजा आलम, जितेंद्र देव उपाध्याय, मनोव्वर सुल्ताना, डा. आशीष श्रीवास्तव, सनातन प्रसाद, योगेश वल्लभ चौकियाल, डा. अमरनाथ जायसवाल, शेष नारायण मिश्रा, हरिनारायण दूबे, रतन कुमार श्रीवास्तव, रीतेश गुप्ता, अनूप सिंह, समेत कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

यादगार रहेंगे सिद्धार्थनगर के राष्ट्रीय स्वयं सेवकः अनुराग यादव

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय भारत सरकार की इकाई नेहरु युवा केन्द्र सिद्धार्थनगर में जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय स्यंव सेवक दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 05 दिसम्बर 2022 को किया गया। तत्पश्चात नव जिला युवा अधिकारी रीना केसरिया का स्वागत अविनंदन किया गया। जिला युवा अधिकारी अनुराग यादव ने राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवक दिवस के अवसर पर सभी राष्ट्रीय युवा स्वयं सेवको को उनके द्वारा किए गए कार्यों के लिए बधाई दी व उनकी सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां के राष्ट्रीय

युवा स्वयं सेवक बहुत ही जिम्मेदारी से अपने कर्तत्व्य का निर्वहन करते हैं। कार्ययक्र का संचालन अजय गुप्ता ने कियाा। कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए अजय गुप्ता के अनुसार युवाओं के अग्रिम जीवन को सार्थक कैसे बनाया जाए तथा युवाओं को समाज में कुछ ऐसे कार्य करने चाहिए जिससे आने वाले नए युवा के लिए प्रेरणा बने। इस दौरान, धीरज, अभिषेक, अखिलेश, आकांक्षा, प्रीत, अखिलेश, रामायण, सनूप, गोविन्द आदि युवाओं सहित कार्यालय के कर्मचारी ओंकार नाथ मिश्र मौजूद रहे।

बीएसए ने मंडल विजेता बच्चों को किया पुरस्कृत

■ प्राथमिक विद्यालय मंगराव में आयोजित हुआ सम्मान समारोह
■ तीन स्पर्धाओं में विजेता रहे मंगराव स्कूल के बच्च

दैनिक बुद्ध का संदेश

भनवापुर/सिद्धार्थनगर। ब्लॉक के मंगराव स्थित प्राथमिक विद्यालय में सोमवार की देर शाम मंडल स्तरीय बेसिक बाल क्रीडा प्रतियोगिता में विजयी बच्चों को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी देवेंद्र कुमार पांडेय ने प्रशस्ति पत्र एवं मेडल पहनाकर पुरस्कृत किया। बताते चलें कि प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष मंडल स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता जनपद बस्ती के शहीद सत्य मानसिंह स्टेडियम में 29 नवंबर से 1 दिसंबर तक आयोजित की गई जिसमें प्राथमिक संवर्ग में भनवापुर ब्लाक के मंगराव प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने बाजी मार ली, लोकगीत, समूह गान, अंत्याक्षरी में प्रथम स्थान जबकि राष्ट्रीय एकांकी एवं लोक नृत्य में द्वितीय स्थान पाकर उपविजेता रहे। कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि सम्बंधित करते हुए पांडेय ने कहा कि प्राथमिक विद्यालय मंगराव के इन प्रतिभाशाली बच्चों ने पूरे जनपद को गौरवान्वित किया है यह बच्चे अब राज्य स्तरीय बेसिक बाल क्रीड़ा प्रतियोगिता में बस्ती मंडल की तरफ से प्रतिभाग कर अपने बस्ती मंडल का मान बढ़ाने का काम करेंगे। खण्ड शिक्षा अधिकारी विन्देश्वरी मिश्रा ने सभी बच्चों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ये बच्चे ऐसे ही प्रदेश स्तर पर भी हमारे ब्लॉक एवं जनपद के मान बढ़ाएंगे, इस दौरान प्रधानाध्यापक दुर्गेश कुमार मिश्रा, अवधेश भारती, अजय पांडेय, राम विलास, राजेंद्र विश्वकर्मा, रक्षाराम, जमुना प्रसाद समेत बड़ी संख्या में स्कूली बच्चे व अभिभावक उपस्थित रहे। विद्यालय की बेहतर व्यवस्था देख प्रभावित हुए बीएसए कार्यक्रम के उपरांत बीएसए देवेंद्र पांडेय ने विद्यालय में उपलब्ध संसाधनो का निरीक्षण किया, जनसहयोग में विद्यालय में उपलब्ध कराए गए वातानुकूलित पुस्तकालय, सीसीटीवी, वाईफाई, डेस्क बेंच, इन्वर्टर, स्मार्ट क्लास आदि की व्यवस्था देख बहुत प्रभावित हुए, उन्होंने कहा कि ऐसे विद्यालय अन्य विद्यालयों के लिए उदाहरण हैं, साथ ही कई बच्चों के शैक्षणिक गुणवत्ता को परखने पर बीएसए ने पाया कि ज्यादातर छात्र अंग्रेजी में अपना पूरा परिचय दे रहे हैं, विद्यालय के प्रधानाध्यापक दुर्गेश मिश्रा की प्रशंसा करते हुए कहा कि विद्यालय के आकर्षक भौतिक परिवेश एवं शैक्षणिक स्तर के लिए पूरे विद्यालय परिवार की जितनी तारीफ की जाय, कम है।

गोबर की खाद का प्रयोग करें किसान:लाल जी शुक्ला

दैनिक बुद्ध का संदेश

लोटन/सिद्धार्थनगर। विकास खण्ड लोटन परिसर में सब मिशन आन एग्रीकल्चरल एक्सटेंशन योजनांतर्गत विकास खण्ड स्तरीय रवी कृषि निवेश मेलाध्गोष्ठी एवम किसान गोष्ठी का अयोजन किया गया। इस अवसर पर भूमी संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी, ब्लाक प्रमुख आशीष सिंह व खण्ड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला उपास्थित रहे। खण्ड विकास अधिकारी लाल जी शुक्ला ने किसानों को कंपोस्ट व गोबर की खाद प्रयोग करने के लिए किसानों से आग्रह किया। तथा किसानों को गाय को पालने के लिए कहा ताकि गायों से होने वाले कंपोस्ट खाद को किसान अपने खेतों में प्रयोग करें। इस अवसर पर ब्लॉक प्रमुख आशीष सिंह ने किसानों को उनकी महत्ता के बारे में जानकारी दी। उन्होंने ने कहा कि किसान भारत देश का बहुत ही महत्व पूर्ण अंग है। किसानों के बिना देश की अर्थ व्यवस्था डगमगा जायेगी। भूमी संरक्षण अधिकारी नरेन्द्र कुमार त्रिपाठी ने कहा कि सर्वप्रथम हमे भूमि का संरक्षण करना अति आवशयक है भूमि का संरक्षण न होने से उपजाऊ मिट्टी बह जाती है। जिसके लिए खेतों की मेड बंदी करना अति आवशयक है। उक्त अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष दृग नारायण सिंह, मूसे सिंह, प्रधान संघ अध्यक्ष अरविंद मणि त्रिपाठी, सहायक विकास अधिकारी कृषि प्रिंस सिंह आदि ब्लॉक किसान उपस्थित रहे।

नगर पालिका एवं नगर पंचायत के कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न

दैनिक बुद्ध का संदेश

सिद्धार्थनगर। जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता एवं अपर जिलाधिकारी (वि0ध्रा0) उमाशंकर की उपस्थिति में जिलाधिकारी कक्ष में नगर पालिकाध्नगर पंचायत के कार्यो की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता करते हुये जिलाधिकारी संजीव रंजन द्वारा साफ–सफाई व्यवस्था, पेयजल, सड़क, कूड़ा निस्तारण, गौशाला आदि की समीक्षा की गयी। जिलाधिकारी ने सभी अधिशासी अधिकारी नगर पालिकाध्नगर पंचायत को निर्देश दिया कि अपने क्षेत्र के सभी वार्डो में साफ–सफाई व्यवस्था, पेयजल आपूर्ति, टूटी नालियों का निर्माण एवं सड़को को गड्ढामुक्त करने की कार्यवाही सुनिश्चित किया जाये। जिलाधिकारी ने अतिक्रमण हटाने तथा पालीथीन का प्रयोग रोकने के लिए अभियान चलाकर छापेमारी कर कार्यवाही करने का निर्देश दिया। जिलाधिकारी द्वारा नगर पालिकाध नगर पंचायत में उपलब्ध संसाधनों के बारे में जानकारी प्राप्त किया गया। जिलाधिकारी द्वारा निर्देश दिया गया कि कूड़ा चिन्हित स्थलों पर ही एकत्रित किया जाये जहां पर अभी डंपिंग ग्राउण्ड चिन्हित नहीं हुआ है वह उपजिलाधिकारी के माध्यम से जल्द से जल्द स्थल चिन्हित कराकर कूड़ा निस्तारण की कार्यवाही की जाये। गौशाला को सक्रिय कर सभी निराश्रित पशुओं को गौशाला में पंहुचाया जाये। शासन द्वारा प्राप्त लक्ष्य के सापेक्ष राजस्व वसूली शत–प्रतिशत सुनिश्चित किया जाये। शहरी क्षेत्रों में शौचालय का निर्माण पूर्ण करा लिया जाये। संचारी रोग व अन्य संक्रामक रोगों के रोकथाम हेतु संसाधनों का क्रय कर लिया जाये और सभी वार्डो में रोस्टर वार फागिंग कराने का निर्देश दिया गया। इस बैठक में अधिशासी अधिकारी नगरपालिका सिद्धार्थनगर एवं बांसी, अधि0 नगर पंचायत उसका बाजार, इटवा व अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

डॉ भीमराव अम्बेडकर के महापरिनिर्वाण दिवस के अवसर पर पूर्व विधायक ने किया माल्यार्पण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

डुमरियागंज/सिद्धार्थनगर। भारतीय संविधान के जनक बाबा साहब डॉ भीमराव अम्बेडकर का जन्म 14 अप्रैल सन 1891 को हुआ था और उनका देहावसान 6 दिसंबर सन 1956 को बाबा साहब के देहावसान को पूरे विश्व में महापारिनिर्वाण दिवस के रूप में मनाया जाता है इसी कड़ी में डुमरियागंज के पूर्व विधायक राघवेंद्र प्रताप सिंह ने बाबा साहब डॉ भीमराव अमेडकर के महापारिनिर्वाण दिवस के अवसर पर डुमरियागंज के मंदिर चौराहे पर बने बाबा साहब के मूर्ति पर माल्यार्पण कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया इस अवसर पर उन्होंने ना सिर्फ बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डाला बल्कि उन्हें आधुनिक भारत के संविधान के शिल्पी के तौर पर प्रस्तुत करते हुए कहा कि आज हमें बाबा साहब के विचारों से बहुत कुछ सीखने की जरूरत है बाबा साहब ने महिलाओं और दलितों को समाज में बराबर का स्थान दिलाने के लिए बहुत संघर्ष किया यदि आज हमें बोलने की आजादी है अपने हिसाब से रहने, खाने और पूजा करने की आजादी है तो उसके लिए हमें अपने संविधान निर्माता को शत शत नमन करना चाहिए इस अवसर पर भाजपा जिला महामंत्री मधुसूदन अग्रहरि, रमेश सोनी, शत्रुहन सोनी, मुकुंद समेत कई कार्यकर्ता और आम जनता मौजूद रही।

दिलीप कुमार व राम विलास को मिला मैन आफ द मैच

दैनिक बुद्ध का सन्देश

घोरावल/सोनभद्र। जिले के घोरावल तहसील क्षेत्र के ग्राम महुआंव पाण्डेय में चल रहे जामवंती पांडेय स्मृति क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को पहला मुकाबला महुआंव पाण्डेय और कुशहरा के बीच खेला गया। जिसमें महुआंव पाण्डेय की टीम ने पहले टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 119 रन बनाये। जिसके जवाब में कुशहरा की टीम ने 8 ओवर खेल कर मात्र 41 रन ही बना पाई। इस मैच के प्लेयर ऑफ द मैच दिलीप कुमार रहे। दूसरा मैच पाताल भैरो स्पोर्टिंग क्लब महुआंव पाण्डेय और ब्रह्मबाबा स्पोर्टिंग क्लब मुसरधारा के बीच खेला गया। जिसमें पाताल भैरो की टीम ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 8 ओवर में 96 रन बनाये। जिसके जवाब में मुसरधारा की टीम ने 8 ओवर में सिर्फ 45 रन ही बना पाई। इस मैच के मैन ऑफ द मैच राम विलास रहे।गौरतलब है कि इस टुर्नामेंट का आयोजन युवा समाज सेवी प्रखर वक्ता चंद्र शेखर पांडेय के द्वारा युवाओं के उत्साह वर्धन हेतु कराया जा रहा है। इस मौके पर आयोजन समिति के अजय द्विवेदी, दीपक शर्मा, प्रदीप तिवारी, प्रदीप विश्कर्मा, गुड्डू जायसवाल, जितेंद्र लाइनमैन, अभिषेक द्विवेदी, निखिल द्विवेदी, नीरज गौतम, राजन गौतम, सुरेंद्र गौतम, गवर्नर ,रामकेश कुशवाहा, दिलीप कुमार आदि मौजूद रहे।

जनपद सिद्धार्थनगर के महत्वपूर्ण नम्बर

जिलाधिकारी	मो0:- 9454417530
मुख्य विकास अधिकारी	मो0:- 9454464749
एस डीएम नौगढ़	मो0:- 9454415936
एस डीएम बांसी	मो0:- 9454415937
एस डीएम डुमरियागंज	मो0:- 9454415939
एस डीएम इटवा	मो0:- 9454415939
एस डीएम शोहरतगढ़	मो0:- 9454415940
पुलिस अधीक्षक	मो0:- 9454400305
थाना मोहाना	मो0:- 9454404239
थाना जोगिया उदयपुर	मो0:- 9454404235
थाना गोलौरा	मो0:- 9454404233
थाना पथरा बाजार	मो0:- 9454404240
थाना त्रिलोकपुर	मो0:- 9454404243
थाना उसका बाजार	मो0:- 9454404244
थाना शोहरतगढ़	मो0:- 9454404241
थाना खेसरहा	मो0:- 9454404236
थाना इटवा	मो0:- 9454404234
थाना चिल्हिया	मो0:- 9454404229
थाना ढेबरूआ	मो0:- 9454404230
थाना भवानीगंज	मो0:- 9454404228
थाना मिश्रौलिया	मो0:- 9454404238
थाना सि0नगर	मो0:- 9454404242
थाना डुमरियागंज	मो0:- 9454404232
थाना लोटन	मो0:- 9454404237
महिला थाना	मो0:- 9454404891

राष्ट्रीय दैनिक बुद्ध का संदेश

तीस वर्षिय ब्यक्ति ने फंदे से झूल कर दी जान

पिता की मानें तो पति–पत्नी के बीच की अनबन मौत का कारण

दैनिक बुद्ध का सन्देश

बांसी/सिद्धार्थनगर। थाना शिवनगर (डिड़ई) के मनिकौरानानकार गाँव में एक तीस वर्षीय युवक द्वारा फंदे से झूल कर जान देने का मामला प्रकाश में आया है। घटना सोमवार रात करीब 11 बजे की बताई जा रही है। मिली जानकारी के अनुसार 30 वर्षीय सुग्रीव पुत्र राम अवतार थाना क्षेत्र के मनिकौरानानकार गाँव का निवासी है। परिजनों के अनुसार सोमवार की रात सुग्रीव खाना खा कर घर में सोने चला गया रात करीब 11 बजे मृतक के पिता राम अवतार लघुशंका करने निकला तो देखा कि दरवाजा ठीक से बंद नहीं था, जब वह दरवाजा खोल कर देखा, तो सुग्रीव छत की कुंडी से रूमाल के सहारे फंदे से झूल रहा था। बकौल रामअवतार अचानक यह अप्रत्याशित मंजर देखकर वह घबरा गया और तत्काल उसने इसकी सूचना अगल बगल के लोगों के साथ पुलिस को भी दिलवा दिया।

रात में ही डिड़ई पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंच कर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु जिला चिकित्सालय भेज दिया। मृतक के पिता के अनुसार सुग्रीव की शादी पन्द्रह वर्ष पूर्व पथरा थानाक्षेत्र के पिपरपतिया में सुभाष चन्द्र की लड़की पूजा के साथ हुआ था। गौना के बाद करीब तीन वर्ष तक पत्नी को लेकर ससुराल में रहने लगा और खुद मुम्बई कमाने चला गया और पूरी कमाई ससुराल में देता रहा। राम अवतार ने बताया कि सुग्रीव एक अबोध सहित तीन लड़कियों का बाप था। राम अवतार ने यह भी बताया कि सुग्रीव की पत्नी पूजा अपने मायके में है।

सुग्रीव ससुराल में पत्नी को लिवाने पिपरपतिया गया था! परंतु ससुरालियों ने उसकी पत्नी को भेजने से इन्कार कर दिया था। राम अवतार ने बताया कि सुग्रीव मेरा इकलौता लड़का था, घर की सारे खर्च का जिम्मा उसी के ऊपर था। उन्होंने चिंता ब्यक्त करते हुए कहा कि अब हम बुजुर्गों को सहारा कौन देगा। थानाध्यक्ष ज्ञानेन्द्र कुमार राय ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया गया है। रिपोर्ट आने के बाद ही कुछ स्पस्ट होगा।

विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में साक्षात्कार 08 एवं 09 को

एच. पी. शर्मा/दैनिक बुद्ध का संदेश

गौतम बुद्धनगर। विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में प्रशिक्षण के लिए प्राप्त आवेदन पत्रों के अभ्यार्थियों का दर्जी ट्रेड में चयन करने के लिये लिया जाएगा साक्षात्कार। उपायुक्त उद्योग, जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र गौतम बुद्ध नगर अनिल कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि विश्वकर्मा श्रम सम्मान योजना में प्रशिक्षण के लिए ऑनलाइन वेबसाइट ू.कपनचउेउम. नचेकब.हवअ.पद पर आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों का योजना में दर्जी ट्रेड में चयन के लिए साक्षात्कार कार्यालय उपायुक्त उद्योग जिला उद्योग प्रोत्साहन तथा उद्यमिता विकास केंद्र सूरजपुर (कलेक्ट्रेट के निकटध्पीछे ईकोटेक 2) ग्रेटर नोएडा गौतम बुद्ध नगर के परिसर में दिनांक 08 एवं 09–12–2022 को प्रातः 11. 00 बजे से गठित समिति द्वारा लिया जाएगा। उन्होंने बताया कि साक्षात्कार के समय उक्त योजना में प्रशिक्षण के लिए भरे गए ऑनलाइन फॉर्म की प्रति, एक पासपोर्ट साइज फोटो, आधार कार्ड की फोटो कॉपी, बैंक पासबुक की एक फोटो कॉपी जिसमें खाता संख्या और आईएफएससी कोड सही लिखा हो, 10 रूपये के स्टांप पेपर पर शपथ पत्र नोटेरी सहित आदि दस्तावेज साथ लाना अनिवार्य है। उक्त योजना में पात्रता के लिए जाति एकमात्र आधार नहीं होगा। योजना के अंतर्गत लाभ प्राप्त करने के लिए ऐसे व्यक्ति भी पात्र होंगे जो परंपरागत कारीगरी जाति से भिन्न हो, ऐसे आवेदकों को परंपरागत कारीगरी से जुड़े होने के प्रमाण के रूप में ग्राम प्रधान, अध्यक्ष नगर पंचायत अथवा नगर पालिकाध्नगर निगम से संबंधित वार्ड के सदस्य द्वारा निर्गत किया गया प्रमाण पत्र प्रस्तुत करना अनिवार्य होगा। उक्त के संबंध में आवश्यक जानकारी के लिए शशि बिंदु के मोबाइल नंबर 9810745043 से संपर्क कर सकते हैं। राकेश चौहान जिला सूचना अधिकारी गौतम बुद्ध नगर।

बुद्ध का संदेश
(हिन्दी दैनिक समाचार पत्र)
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती पुष्पा शर्मा द्वारा बुद्धा प्रिन्टर्स , ज्योति नगर मधुकरपुर, निकट–हीरो होण्डा एजेन्सी, जनपद–सिद्धार्थनगर (उ0प्र0) 272207 से मुद्रित एवं प्रकाशित।
आर.एन.आई. नं.–UPHIN/2012/49458
संस्थापक
स्व. के.सी. शर्मा
सम्पादक
राजेश कुमार शर्मा
9415163471, 9453824459
दैनिक बुद्ध का संदेश
9795951917,9415163471
@budhakasandesh
budhakasandeshnews@gmail.com
www.budhakasandesh.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी.एक्ट. के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन समस्त विवाद जनपद–सिद्धार्थनगर न्यायालय के अधीन ही मान्य होगा।

घर पर आसानी से बनाए जा सकते हैं ये 5 ब्लश

ब्लश एक तरह का मेकअप प्रोडक्ट है, जिसका इस्तेमाल गाल को हाइलाइट करने के लिए किया जाता है और यह चेहरे पर एक फ्रेशनेस भी लेकर आता है। हालांकि, मार्केट में मौजूद ज्यादातर ब्लश केमिकल्स युक्त और महंगे होते हैं। इसलिए आप चाहें तो इसे घर पर खुद ही बना सकते हैं। आइए आज हम आपको घर पर ब्लश बनाने के पांच आसान तरीके बताते हैं।

चुकंदर का ब्लश

चुकंदर न केवल आपके गालों पर प्राकृतिक निखार लाएगा, बल्कि आपकी त्वचा को मॉइस्चराइज करने समेत पोषण भी देगा। इसमें मौजूद एंटी–ऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को अंदर से स्वस्थ और चमकदार भी बनाएंगे। इसके लिए चुकंदर पाउडर और अरारोट पाउडर को एकसाथ मिलाएं। उसके बाद उसमें एक्टिवेटेड चारकोल को अच्छी तरह से मिलाएं। जरूरत पडने पर अपने गालों पर इस ब्लश का इस्तेमाल करें। इससे आपको अलग ही निखार देखने को मिलेगा।

गुड़हल और दालचीनी का ब्लश

यह प्राकृतिक ब्लश आपकी त्वचा के लिए बहुत अच्छा है, क्योंकि इसमें गुड़हल और दालचीनी के गुण होते हैं। वहीं, इसमें मिलाए जाने वाले एसेंशियल ऑयल इसे त्वचा के लिए लाभदायक बनाते हैं और एक अच्छी सुगंध जोड़ते हैं। ब्लश बनाने के लिए अरारोट पाउडर, गुड़हल पाउडर और पिसी हुई दालचीनी को एक साथ मिलाएं। उसके बाद इसमें लैवेंडर ऑयल और लोबान एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदें मिलाएं। अब इसे एक ब्रश से गालों पर लगाएं।

गुलाब का ब्लश

यह ब्लश सभी प्रकार की त्वचा पर इस्तेमाल किया जा सकता है और आपको एक गुलाबी निखार दे सकता है। ब्लश बनाने के लिए ताजी गुलाब की पंखुडियां और स्टार्च को मिक्सी में डालकर तब तक पीसें जब तक अच्छे से मिल न जाए। फिर इस मिश्रण को दो घंटे के लिए गरम ओवन में रखकर सुखा लें। बस आपका होममेड ब्लश इस्तेमाल के लिए तैयार है।

शिया बटर और शकरकंद का ब्लश

यह क्रीमी ब्लश आपके गालों को हाइलाइट करने के साथ–साथ मॉइस्चराइज करने में भी मदद कर सकता है। साथ ही यह लंबे समय तक टिकेगा। ब्लश बनाने के लिए शिया बटर को गरम करके इसमें एलोवेरा जेल मिलाएं। अब आंच से उतारकर इसमें गुलाबी शकरकंद का पाउडर और कोको पाउडर मिलाएं। इस मिश्रण को ठंडा करके अपने गालों पर लगाएं।

बीजवैक्स और नारियल तेल का ब्लश

यह होममेड ब्लश न केवल आपके गालों को पोषण देगा, बल्कि कुछ ही समय में आपको गुलाबी रंगत भी देगा। ब्लश बनाने के लिए बीजवैक्स को माइक्रोवेव में 30 सेकंड के लिए गरम करें। उसके बाद इसमें नारियल तेल मिलाएं और दोबारा 15 सेकंड के लिए माइक्रोवेव करें। अब इसे ठंडा होने दें और फिर इसमें पिंक आईशैडो पाउडर मिलाएं। इसके बाद आपका ब्लश इस्तेमाल के लिए तैयार हो जाएगा।

अरबाज खान की गर्लफ्रेंड जॉर्जिया एंड्रियानी को देखकर आपको भी होने लगेगी जलन, तस्वीरें जगा देंगी सोए अरमान

बॉलीवुड अभिनेता और डायरेक्टर अरबाज खान की गर्लफ्रेंड और एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी अक्सर अपने बोल्ड लुक को लेकर चर्चाओं में रहती हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, एक्ट्रेस जॉर्जिया

न सिर्फ अरबाज बल्कि उनकी फैमिली के भी काफी करीब हैं बल्कि कई बार साथ में स्पॉट किया गया है। वहीं, एक्ट्रेस की वन पीस में लुक सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इटलियन एक्ट्रेस जॉर्जिया एंड्रियानी की लेटेस्ट तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही हैं। वहीं, उनकी कातिलाना अदाओं ने फैंस के दिलों की धड़कनें बढ़ा रखी हैं। मशहूर इटलियन एक्ट्रेस और मॉडल जॉर्जिया एंड्रियानी की लेटेस्ट तस्वीरें हाल ही में सामने आईं हैं, जिन्हें देखकर आपके भी होश उड़ जाएंगे. एक्ट्रेस एंड्रियानी वन पीस ड्रेस में काफी ग्लैमरस नजर आ रही हैं। जॉर्जिया एंड्रियानी सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। वहीं, फैंस उनकी बोल्ड और खूबसूरत तस्वीर के लिए बेताब रहते हैं। एक्ट्रेस जॉर्जिया आए दिन अरबाज खान से रिलेशनशिप को लेकर चर्चाओं में बनी रहती हैं। सोशल मीडिया पर उनकी तगड़ी फैन फॉलोइंग हैं। इंस्टाग्राम पर एक मिलियन फॉलोवर्स हैं। जॉर्जिया एंड्रियानी की इन तस्वीरों ने इंटरनेट का पारा बढ़ाया दिया है। साथ ही उनके कमाल के लुक ने फैंस पर अपनी खास छाप छोड़ी है। सोशल मीडिया पर जॉर्जिया एंड्रियानी की इन तस्वीरों को काफी पसंद किया जा रहा है। फैंस उनकी तस्वीरों पर लगातार अपनी प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं।

तमिल फिल्म के.डी का बनेगा हिंदी रीमेक, अभिषेक बच्चन आएंगे नजर

अभिषेक बच्चन आने वाले दिनों में एक से बढ़कर एक फिल्मों में नजर आएंगे और अब एक और शानदार फिल्म उनके खाते से जुड़ गई है। खबर है कि वह लोकप्रिय तमिल फिल्म के.डी के हिंदी रीमेक में अपनी मौजूदगी दर्ज कराएंगे। खास बात यह है कि निखिल आडवाणी इस फिल्म को बना रहे हैं। अभिषेक इस फिल्म को लेकर बेहद उत्साहित हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, अभिषेक ने फिल्म साइन कर ली है और इसमें उनका एक जुदा अवतार देखने को मिलेगा। निखिल आडवाणी फिल्म के निर्माता हैं। यह तमिल फिल्म के.डी का हिंदी रीमेक है, जिसे समीक्षकों ने खूब सराहा था। फिल्म का निर्देशन मधुमिता सुंदररमन ने किया था और हिंदी रीमेक के निर्देशन की कमान भी मधुमिता ही संभालेंगी। उन्होंने फिल्म के प्री–प्रोडक्शन का काम शुरू कर दिया है। फिल्म की शूटिंग अगले महीने भोपाल में होगी। रिपोर्ट के मुताबिक, फिल्म की कहानी एक बुजुर्ग व्यक्ति और बच्चे के बीच एक खूबसूरत रिश्ते को दर्शाती है। जब अभिषेक से इस फिल्म के लिए संपर्क किया गया तो वह इसकी कहानी से बेहद प्रभावित हुए। उन्होंने इसका हिस्सा बनने के लिए फौरन रजामंदी दे दी। मधुमिता ने हिंदी भाषी दर्शकों को ध्यान में रखते हुए इसकी कहानी में कुछ बदलाव किए हैं। शूटिंग दो महीने में पूरी करने की योजना है। फिल्म अगले साल मध्य तक रिलीज होगी।

अजय देवगन की फिल्म भोला 2019 में आई ब्लॉकबस्टर फिल्म कैथी का हिंदी रीमेक है। अक्षय कुमार की फिल्म सोराराई पोटरू और फिल्म अन्नियन इसी नाम से बनी तमिल फिल्म का हिंदी रीमेक है। सेल्फी सुपरहिट मलयालम फिल्म ड्राइविंग लाइसेंस का हिंदी रीमेक है।

के.डी 2019 में आई तमिल कॉमेडी ड्रामा फिल्म है। इसमें अभिनेता मु रामास्वामी और नागा विशाल नजर आए थे। नागा विशाल ने इसके लिए जागरण फिल्म फेस्टिवल 2019 में सर्वश्रेष्ठ अभिनेता का पुरस्कार जीता, वहीं मधुमिता को उनकी इस फिल्म के लिए यूके एशियन फिल्म फेस्टिवल 2019 में सर्वश्रेष्ठ निर्देशक के पुरस्कार से नवाजा गया। रामास्वामी ने फिल्म में एक 80 साल के बुजुर्ग का किरदार निभाया, वहीं नागा ने आठ साल के एक अनाथ बच्चे की भूमिका निभाई थी।

अभिषेक फिल्म हाउसफुल 5 में नजर आएंगे। साजिद नाडियाडवाला की इस फिल्म में उनके साथ बॉबी देओल, अक्षय कुमार, रितेश देशमुख और जॉन अब्राहम भी हैं। वह ओम राउत की अगली एक्शन ड्रामा फिल्म का हिस्सा भी हैं। संजय लीला भंसाली की फिल्म गुस्ताखियां में अभिषेक लेखक साहिर लुधियानवी का किरदार निभा सकते हैं। तमिल फिल्म ओह माई कदवुले के हिंदी रीमेक में अभिषेक अहम भूमिका में हैं। अनुराग कश्यप की फिल्म गुलाब जामुन भी उनके खाते से जुड़ी है।

मनोज बाजपेयी ने अनाम कोर्ट रूम ड्रामा की शूटिंग पूरी की

साइकोलॉजिकल ड्रामा फिल्म गली गुलियां की स्ट्रीमिंग पर मिल रही प्रतिक्रिया का लुत्फ उठा रहे मनोज बाजपेयी ने मुंबई

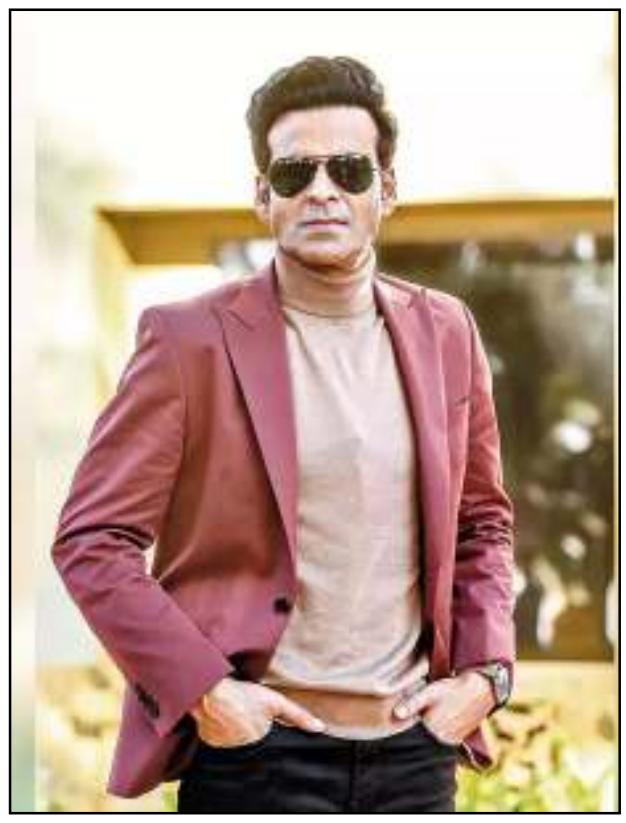

में अपनी अनटाइटल्ड कोर्टरूम ड्रामा की शूटिंग पूरी कर ली है। जोधपुर में शेड्यूल पूरा करने के बाद अनटाइटल्ड फिल्म का मुंबई में स्टार्ट–टू–फिनिश सीन फिल्माया गया और जल्द ही पोस्ट–प्रोडक्शन चरण में प्रवेश करेगी। फिल्म के मेकर्स की नजर फिल्म के 2023 रिलीज पर है। कोर्ट में वह फिल्म के लास्ट सीन को फिल्माते नजर आए। इसके बाद सभी कास्ट और क्रू मेंबर्स स्टैंडिग ओवेशन देते हैं। इसके बाद फिल्म की शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाने के लिए केक काटा गया और पूरी टीम ने बहुप्रतीक्षित फिल्म में किए गए काम के लिए आभार व्यक्त किया। अभी तक बिना शीर्षक वाली यह फिल्म हिंदी में अपूर्व सिंह कार्की के निर्देशन की पहली फिल्म है। जी स्टूडियोज और भानुशाली स्टूडियोज लिमिटेड की प्रस्तुति, सुपर्ण एस वर्मा की अनटाइटल्ड कोर्टरूम ड्रामा, विनोद भानुशाली, कमलेश भानुशाली, आसिफ शेख और विशाल गुरनानी द्वारा निर्मित है।

प्री–डायबिटीज से बचाव के लिए अपनाएं ये 5 तरीके

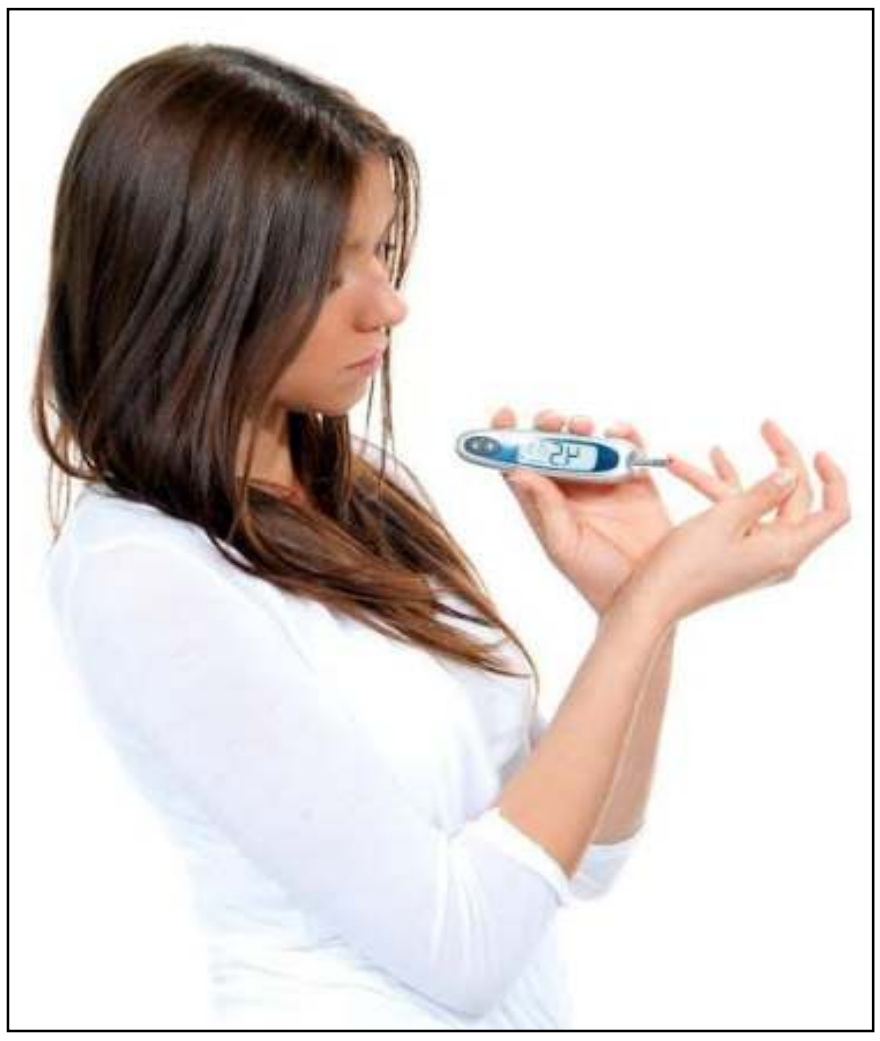

प्री–डायबिटीज का मतलब है कि आपके रक्त शर्करा का स्तर सामान्य से अधिक हो रहा है, जिसे समय रहते नियंत्रित करना महत्वपूर्ण है। अगर ऐसा न किया जाए तो आप टाइप–2 मधुमेह की चपेट में आ सकते हैं, जिसके कारण शरीर कई गंभीर बीमारियों से घिर सकता है। अगर आपको ब्लड टेस्ट करवाने के बाद अपना रक्त शर्करा बॉर्डर लाइन पर मिले तो इन पांच तरीकों को अपनाकर आप इसे नियंत्रित कर सकते हैं।

वजन को कम करने की करें कोशिश

बढ़ता वजन मधुमेह का खतरा बढ़ाने का कारण बन सकता है। दरअसल, शरीर में असामान्य वसा के फैलने से इंसुलिन संवेदनशीलता बढ़ सकती है, जिसके परिणामस्वरूप मधुमेह होने की संभावना काफी बढ़ सकती है। इसलिए यह जरूर है कि धीरे–धीरे और स्वस्थ तरीके से अपना वजन कम करने की कोशिश करें ताकि आपको मधुमेह होने का जोखिम कम हो सके।

एक्सरसाइज करना है जरूरी

अगर आपका रक्त शर्करा एकदम लास्ट पाइंट पर है तो आपके लिए रोजाना एक्सरसाइज करना काफी जरूरी है। विशेषज्ञों की मानें तो रोजाना 45 मिनट की ब्रिस्क वॉक कर लेने से मधुमेह होने का खतरा कम हो सकता है। इसके अतिरिक्त, इससे कई तरह के अन्य स्वास्थ्य लाभ मिल सकते हैं। रोजाना एरोबिक्स और कार्डियो एक्सरसाइज का अभ्यास करना फायदेमंद हो सकता है।

शुगर और कार्ब्स से करें परहेज

आपके रक्त शर्करा को सामान्य करने में डाइट एक अहम भूमिका अदा कर सकती है और इसके लिए आपको इसमें से शुगर और कार्ब्स की मात्रा को कम कर दें। सफेद ब्रेड, आलू और चीनी जैसे रिफाइंड कार्ब्स से भरपूर खाद्य पदार्थों का सेवन करने से इंसुलिन और रक्त शर्करा का स्तर बढ़ जाता है, जो मधुमेह का कारण बन सकता है। इसलिए इन चीजों से परहेज करना ही आपके लिए लाभदायक है।

ओवरईटिंग करने से बचें

ओवरईटिंग से परहेज करने से आपको इंसुलिन और रक्त शर्करा के स्तर को कम करने के साथ–साथ मधुमेह के विकास की संभावना को भी खत्म कर सकते हैं। एक बार में बहुत अधिक भोजन कर लेने से रक्त शर्करा और इंसुलिन का स्तर बढ़ जाता है। इसलिए रोजाना सीमित मात्रा में और स्वास्थ्यवर्धक चीजों का ही सेवन करें। लाभ के लिए फाइबर युक्त खान–पान की चीजों का सेवन करें।

धूम्रपान छोड़े

अगर आपको धूम्रपान करने की लत है और आपका रक्त शर्करा का स्तर बढ़ रहा है तो इसे नियंत्रित करने के लिए आपको धूम्रपान करना छोडना होगा। धूम्रपान को कई मुद्दों, विशेष रूप से मधुमेह का कारक मना जाता है। धूम्रपान उच्च कोलेस्ट्रॉल को बढ़ावा देता है, जिसके परिणामस्वरूप मधुमेह हो सकता है। धूम्रपान से इंसुलिन प्रतिरोध भी बढ़ता है।